● वर्ष-2
● अंक-224
रायपुर, गुरुवार
11 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

इन दिनों

✍ नीरज कुमार दुबे

ममता-स्वामी के बीच पकती खिचड़ी

इसमें कोई दो राय नहीं कि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी एक विद्वान राजनेता और चिंतक हैं। उनकी कई जनहित याचिकाओं पर आये निर्णयों ने भी देश और समाज को लाभ पहुँचाया है। लेकिन यह बात भी सही है कि सुब्रमण्यम स्वामी एक अस्थिर राजनेता भी हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि स्वामी किसी दल के साथ ज्यादा समय टिकते नहीं, यही नहीं वह अपने खुद के दल में भी ज्यादा समय नहीं टिके थे। स्वामी का हालिया राजनीतिक इतिहास देखें तो कांग्रेस विरोध से अपनी राजनीतिक शुरुआत करने वाले सुब्रमण्यम स्वामी ने 1999 में कांग्रेस से हाथ मिला लिया था और सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने के चक्कर में स्वामी ने जयललिता से समर्थन वापस करवा कर अटलजी की सरकार तक गिरवा दी थी। लेकिन मध्यावधि चुनावों में देश की जनता ने अटलजी को दोबारा देश की कमान सौंप दी थी। स्वामी की यंजना कामयाब नहीं होते देख जयललिता ने उनसे दूरी बना ली और कुछ दिनों बाद स्वामी के जयललिता से राजनीतिक रिश्ते बिगड़ गये थे और बात कोर्ट कचहरी तक गयी थी। कुछ समय बाद स्वामी ने अपनी जनता पार्टी का एनडीए के साथ गठबंधन कर लिया और फिर बाद में अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया। स्वामी मोदी-मोदी के नारे लगाने लगे और खुद को सबसे बड़े हिंदूवादी नेता के रूप में देखने लगे। स्वामी को मोदी इतने भाये कि वह उनके पक्ष में वह हर मंच से दलीलें देने लगे। केंद्र में मोदी सरकार बनने पर स्वामी को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया और दिल्ली के लुटियंस जोन में बड़ा बंगला भी दे दिया गया लेकिन जैसे ही उन्हें भनक लगी कि उनको राज्यसभा में दोबारा नहीं भेजा जायेगा वैसे ही वह सरकार के आलोचक बन गये। अब वह हर मंच से भाजपा और मोदी की बुराई करते नजर आते हैं। स्वामी की नजर में अब प्रधानमंत्री पद के लिए ममता बनर्जी सबसे उपयुक्त शख्सियत हैं। लेकिन सवाल उठता है कि जिन मुख्यमंत्री के कार्यकाल में मानवाधिकारों के हनन के सबसे ज्यादा आरोप लगते हैं, जिन मुख्यमंत्री का राज्य राजनीतिक हिंसा की घटनाओं, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और प्रशासनिक नाकामियों के मामले में शीर्ष पर है और जिन्हें अदालत से लगातार फटकार सुनने को मिलती है, वह मुख्यमंत्री आखिर किस लिहाज से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने लायक हैं? हम आपको बता दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले %मोदी हटाओ% अभियान को विपक्ष के नेता तो आगे बढ़ा ही रहे हैं साथ ही स्वामी जैसे कुछ भाजपा नेता भी इस मिशन की सफलता के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं। इसी कड़ी में स्वामी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की और उन्हें एक ऐसा व्यक्ति करार दिया जिसे ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता। यही नहीं स्वामी यह भी कह गये कि ममता बनर्जी को भारत का प्रधानमंत्री होना चाहिए।

कर्नाटक में टूटेगा मिथक या होगी त्रिशंकु विधानसभा

कर्नाटक। कर्नाटक में 224 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हो चुका है। सभी प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। प्रदेश में मुख्य रूप से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। जहां बीजेपी कर्नाटक में सत्ता विरोधी लहर को मात देने की उम्मीद कर रही है, वहीं कांग्रेस दक्षिणी राज्य में वापसी करने की उम्मीद कर रही है। 13 मई को चुनाव के नतीजे घोषित होंगे। लेकिन उससे पहले आज एग्जिट पोल्स के जरिए परिणामों की एक झलक बताने की कोशिश की गई है। ऐसे में आइए जानते हैं कर्नाटक में किस पार्टी को कितनी सीटें मिलने का अनुमान जताया जा रहा है।

कर्नाटक में किसकी सरकार?

एबीपी-सी न्यूज वोटर ने कर्नाटक में बीजेपी को 83-95 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। कांग्रेस को 100-112 सीटें मिल सकती हैं। जबकि जेडीएस के खाते में 21-29 सीटें जा सकती हैं। अन्य को 2 से 6 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। रिपब्लिक टीवी ने अपने पोल में बीजेपी को 80 से 100 सीटें दिए हैं। कांग्रेस के खाते में 94-108 सीटें जा सकती हैं। जेडीएस को 24-32 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। जबकि अन्य के खाते में 2 से 6 सीटें जा सकती हैं। टाइम्स नाउ ने बीजेपी को 85 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। कांग्रेस को 113 सीटें मिल सकती हैं। जबकि जेडीएस को 23 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। अन्य को 3 सीटें मिल सकते हैं। आजतक एक्सिस ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दी है। आजतक एक्सिस के अनुसार कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस को 122 से 140 सीटें मिल सकती है। वहीं बीजेपी को 62 से 8- सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है। जेडीएस को 20-25 सीटे मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, जी न्यूज का एग्जिट पोल बता रहा है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 103-118, बीजेपी को 79-94, जेडीएस को 25-33 जबकि अन्य को 02-05 सीटें मिलने का अनुमान है। न्यूज 24 चाणक्य के अनुसार बीजेपी को 92, कांग्रेस को 120 और जेडीएस के खाते में 12 सीटें जा सकती है।

एग्जिट पोल

राज्य	पार्टी	जन की बात	ABP - CVoter	आज तक/ एक्सिस	टाइम्स नाउ
कर्नाटक सीटें : 224	BJP	94-117	83-95	62-80	85
	INC	91-106	100-112	122-140	113
	JDS	14-24	21-29	20-25	23
	Other	0-2	2-6	0-3	03

2018 में कैसे रहे नतीजे

2018 के विधानसभा चुनाव के नतीजों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। परिणामों के बाद, भाजपा को 224 के सदन में 104 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सरकार बनाने के लिए बुलाया गया। हालांकि, कांग्रेस और जद (एस) एक साथ आ गए, जिससे दोनों को मिलाकर संख्या 116 हो गई। जिसमें कांग्रेस 76, जद-एस 37 विधायक थे। लेकिन एक साल के भीतर, बाजी पलट गई। कांग्रेस-जद (एस) ने अपने 17 विधायकों को खो दिया, जिन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। बागी विधायक मुंबई के एक रिसॉर्ट में होने के बाद बीजेपी के पाले में चले गए। कर्नाटक बीजेपी के दिग्गज बीएस येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बने, लेकिन 26 जुलाई, 2021 को इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह बसवराज बोम्मई को बीजेपी ने राज्य का मुख्यमंत्री बनाया। बोम्मई भी येदियुरप्पा की तरह लिंगायत समुदाय से हैं।

2018 के एग्जिट पोल ने कैसे की नतीजे की भविष्यवाणी की थी?

छह राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों और एक क्षेत्रीय चैनल द्वारा प्रसारित आठ प्रमुख एग्जिट पोल में से छह ने भविष्यवाणी की कि भाजपा को नई विधानसभा में सबसे अधिक सीटें मिलेंगी। लेकिन इनमें से सात ने त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की, जिसमें न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को 112 सीटों के साधारण बहुमत के निशान तक पहुंचने में मदद मिली। इन सभी चुनावों ने सुझाव दिया कि जेडी (एस) किंगमेकर होगा, पार्टी को 20 से 40 सीटों के बीच मिलने की भविष्यवाणी की गई थी। एबीपी-सी वोटर, न्यूजएक्स-सीएनएक्स, रिपब्लिक-जन की बात और न्यूज नेशन एग्जिट पोल ने भविष्यवाणी की थी कि बीजेपी विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी होगी। इसी तरह की भविष्यवाणी क्षेत्रीय दिग्विजय-विजयवाणी सर्वेक्षण द्वारा की गई थी। टाइम्स नाउ ने दो एग्जिट पोल प्रसारित किए। वन, टाइम्स नाउ-वीएमआर, ने कांग्रेस को मामूली सी बढ़त दी; दूसरे, टाइम्स नाउ-टुडेज चाणक्य ने बीजेपी को स्पष्ट बहुमत दिया. इंडिया टुडे-एक्सिस एग्जिट पोल ने कहा कि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी होगी। एबीपी-सी वोटर सर्वे ने बीजेपी के लिए 104-116 सीटों, कांग्रेस के लिए 83-94 और जेडी (एस) के लिए 20-29 सीटों की भविष्यवाणी की थी। न्यूजएक्स-सीएनएक्स ने बीजेपी को 102-110, कांग्रेस को 72-78, जेडी (एस) को 35-39 और अन्य को 3-5 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। रिपब्लिक-जन की बात पोल में कहा गया है कि बीजेपी को 104, कांग्रेस को 78, जेडी(एस) को 37 और अन्य को 3 सीटें मिलेंगी।

तीनो पार्टियों के लिए बहुत कुछ लगा दांव पर

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए काफी कुछ दांव पर लगा हुआ है, वहीं कांग्रेस के लिए भी बहुत कुछ दांव पर है। इस दक्षिणी राज्य में जीत से कांग्रेस को जहां आगामी विधानसभा चुनावों के लिए 'संजीवनी' मिलेगी और केंद्रीय स्तर पर उसकी स्थिति मजबूत होगी वहीं भाजपा के लिए यहां की जीत दक्षिण में पैर पसारने की उसकी उम्मीदों को पंख देगा तथा 2024 से पहले फिर से उसे मजबूत स्थिति में ला खड़ा करेगा।

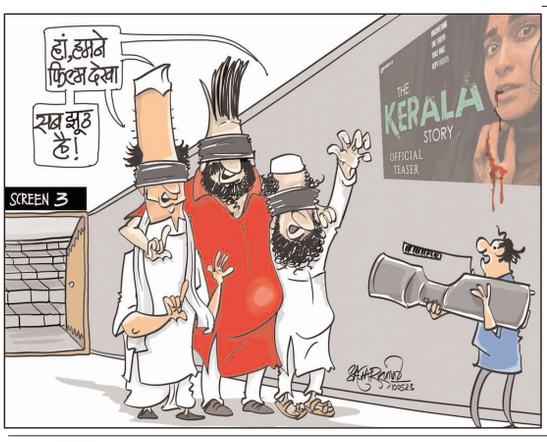

चुनाव बाद जेडीएस के साथ कांग्रेस कर सकती है गठबंधन?

■ डीके शिवकुमार ने दिया यह जवाब

कर्नाटक। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए आज वोट डाले जा रहे हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है। हालांकि, जेडीएस भी किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है। 224 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 2,615 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। भले ही इस चुनाव के नतीजे 13 मई को आएंगे लेकिन सभी अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। बड़ा सवाल यह भी है क्या बहुमत से पीछे रहने की स्थिति में कांग्रेस जेडीएस से गठबंधन करेगी। इसको लेकर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार का बयान सामने आया है।

जेडीएस के साथ चुनाव बाद गठबंधन की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने साफ तौर पर कहा कि कोई संभावना नहीं है, हम अपने दम पर सरकार बनाएंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोग इस सरकार को बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि भ्रष्टाचार को दूर करने वाली और विकास करने वाली सरकार आए इसलिए लोग चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी आए। इसके साथ ही खड़गे ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ 130-135 सीटें जीतेगी। कर्नाटक के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने वोट डालने के बाद कहा कि मतदाताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया है। मुझे 60ब से अधिक वोट मिलेंगे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अपने दम पर सरकार बनाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मैं सेवानिवृत्त नहीं होने जा रहा हूं, लेकिन मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा। यह मेरा आखिरी चुनाव है।

कर्नाटक के पूर्व सीएम और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने अपना वोट डालने के बाद कहा कि हम लोगों से अनुरोध कर रहे हैं कि उचित विकास पाने के लिए जेडीएस उम्मीदवारों को आशीर्वाद दें। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारी पार्टी किंग बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में उन्होंने (भाजपा) कितनी राशि का निवेश किया है? ये सब बातें सभी जानते हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि सिर्फ भाजपा को ही नहीं, मैं हर पार्टी को दोष दूंगा, हर बार हम निष्पक्ष चुनाव के बारे में चर्चा करते हैं, लेकिन केवल कागजों में इसकी घोषणा की जाती है, जमीनी हकीकत अलग है।

प्रमुख समाचार

अस्थिर पाकिस्तान हमारे लिए खतरनाक, उपमहाद्वीप में शांति जरूरी

पाकिस्तान। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर पूरे देश में तनाव व्याप्त है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। इन सब के बीच पाकिस्तान में मौजूदा स्थिति पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला का बड़ा बयान सामने आया है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अस्थिर पाकिस्तान हमारे लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि हमें एक स्थिर पाकिस्तान चाहिए जो उपमहाद्वीप में शांति के लिए जरूरी है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि हम उस देश के अच्छे होने की कामना करते हैं। वह हमारा पड़ोसी है और हमें उम्मीद है कि कुछ बेहतर आएगा और लोगों का शांतिपूर्ण जीवन होगा। रक्षा सूत्र ने कहा कि भारतीय रक्षा बल पाकिस्तान के हालात पर वहां की गतिविधियों पर पैनी नजर रख रहे हैं। नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बलों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

कर्नाटक के लोगों ने प्रगतिशील और पारदर्शी सरकार चुनने का फैसला किया है - खरगे

नई दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कर्नाटक के लोगों से बड़ी संख्या में मतदान की अपील करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने पहले ही एक प्रगतिशील और पारदर्शी सरकार चुनने का फैसला कर लिया है। खरगे ने ट्वीट किया, ''कर्नाटक के लोगों ने फैसला किया है कि वे एक प्रगतिशील, पारदर्शी और कल्याणकारी सरकार चुनेंगे। आज बड़ी संख्या में मतदान करने का समय है। हम लोकतंत्र की प्रक्रिया में भाग लेने वाले उन सभी लोगों का स्वागत करते हैं जो पहली बार मतदान करने जा रहे हैं।'' बता दें कि कर्नाटक में 224 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। यह चुनाव मुख्य रूप से सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की जनता दल (सेक्युलर) के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के रूप में देखा जा रहा है। कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ, जो शाम छह बजे तक चलेगा।

युद्ध, जलवायु परिवर्तन, कोरोना से महिलाओं और बच्चों को बढ़ा खतरा

केपटाउन। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनिया भर में चल रहे संघर्षों, जलवायु परिवर्तन और कोरोना महामारी ने महिलाओं और बच्चों के लिए खतरा बढ़ा दिया है। खासकर बच्चों में समय पूर्व जन्म की समस्या बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2020 में ही दुनियाभर में करीब एक करोड़ 30 लाख बच्चों का जन्म समय से पहले हुआ। समय से पूर्व जन्म लेने वाले 45 प्रतिशत बच्चों का जन्म को सिर्फ पांच देशों में हुआ, जिनमें भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया, इथोपिया और चीन शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बोर्न टू सून: डिकेट ऑफ एक्शन ऑन प्रीटर्म बर्थ में खुलासा हुआ है कि बच्चों का समय से पूर्व जन्म एक इमरजेंसी स्थिति है और यह बच्चों की सेहत पर बुरा असर डालती है। 2020 में समय से पूर्व जन्म लेने वाले बच्चों में से करीब 10 लाख की मौत हो गई थी।

इमरान की गिरफ्तारी पर क्यों चर्चा में आई 'रॉ', भारतीय एजेंसी से क्यों खौफजदा है पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनकी पार्टी %पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ% (पीटीआई) के समर्थकों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। सेना के अफसरों के आवास, एयरफील्ड, रावलपिंडी में सेना मुख्यालय और दूसरे कई स्थानों पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। पीएम के निजी आवास पर पथराव और आगजनी का प्रयास किया गया। जब पाकिस्तान में तोड़फोड़ चल रही थी, तो सोशल मीडिया में एकाएक भारतीय खुफिया एजेंसी %रॉ% का जिक्र होने लगा। यहां तक कि एक पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने रॉ की शिकायत करने के लिए दिल्ली पुलिस का लिंक मांगा। उसने पीएम मोदी के खिलाफ भी शिकायत करने की मंशा जताई। दिल्ली पुलिस ने उस पाकिस्तानी एक्ट्रेस को ऐसा जवाब दिया कि उसकी बोलती बंद हो गई।

अब एआई से चंद मिनटों में होगी कोरोना-हेपेटाइटिस की जांच, घर पर किया जा सकेगा परीक्षण

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये वैज्ञानिकों ने हेपेटाइटिस सी और कोरोना की जांच करने वाले एक ही परीक्षण को और आसान बनाया है। एआई उपकरणों के जरिये यह आसान परीक्षण एक छोटी परखनली में कुछ ही मिनटों में पूरा हो जाता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह तकनीक बहुत जल्द डॉक्टर के क्लीनिक तक पहुंच सकती है। फिर कुछ समय बाद गर्भावस्था परीक्षण की तरह यह तकनीक घर बैठे भी उपलब्ध हो सकेगी। सेल रिपोर्ट्स मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में अमेरिका के फ्लोरिडा विश्वविद्यालय (यूएफ) में केमिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर पीयूष जैन ने कहा, हम एक ऐसा आधारित परीक्षण किट बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसका परिणाम लैब जैसे परीक्षण के समान विश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेते हुए साधारण परीक्षण विकसित करने चाहिए ताकि महंगे उपकरणों की आवश्यकता को समाप्त किया जा सके ।

तीनों सेनाओं ने कसी कमर

पाकिस्तान बिगड़े हालात का कश्मीर में होने वाली जी-20 की बैठक पर ना पड़े असर

कश्मीर में होने वाली जी-20 की बैठक को पाकिस्तान की शह पर आतंकवादियों की ओर से बाधित किये जाने की आशंका को देखते हुए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त तो किये ही जा रहे हैं साथ ही साफ-सफाई और साज-सज्जा का काम भी तेजी के साथ चल रहा है। हम आपको बता दें कि जी-20 पर्यटन समूह की बैठक श्रीनगर में 22 से 24 मई तक डल झील के तट पर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में होने वाली है। इस बैठक के मद्देनजर झील में सफाई अभियान भी जोर-शोर से चल रहा है।

वहीं जहां तक सुरक्षा के हालात की बात है तो उसकी समीक्षा करने खुद केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और गुप्तचर ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन डेका श्रीनगर आये हैं। दोनों अधिकारियों ने जी-20 बैठक को लेकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए कश्मीर का दौरा किया। एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जी-20 बैठक के लिए सुरक्षा तैयारियों से जुड़े हर पहलू का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान में बिगड़े हालात के मद्देनजर सीमाई क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सूत्रों ने कहा कि जी-20 बैठक की सुरक्षा मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में गृह सचिव भल्ला और आईबी निदेशक डेका ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन, पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की तथा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। हम आपको यह भी बता दें कि बैठक के हिस्से के रूप में जी-20 प्रतिनिधियों के

गुलमर्ग और श्रीनगर के अलावा कुछ अन्य पर्यटन स्थलों का दौरा करने की उम्मीद है। इसलिए इन स्थलों पर भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये जा रहे हैं।

सूत्रों ने कहा कि हाल में राजौरी और पुंछ में हुए दो बड़े आतंकी हमलों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि राष्ट्र के प्रति शत्रुता रखने वाले तत्व आगामी जी-20 बैठक को बाधित करने का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन जगहों पर एनएसजी कमांडो तैनात हो सकते हैं जहां अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि जाएंगे, जबकि भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो को डल झील और घाटी में अन्य जलाशयों में तैनात किए जाने की उम्मीद है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले हफ्ते राजौरी में पांच जवानों की शहादत एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी घटना थी। यह ऐसे समय हुआ जब पुंछ के भाटा धूरियन में सेना के एक ट्रक पर घात लगाकर हमला किए जाने के बाद सेना पिछले 15 दिन से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान में लगी हुई थी। देखा जाये तो पिछले 18 महीनों में, राजौरी और पुंछ जिलों में हुए आठ आतंकी हमलों में 26 सैनिकों सहित 35 लोगों की जान गई है।

इस बीच, सुरक्षा विशेषज्ञों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में पिछले 18 महीनों में सैनिकों के अधिक संख्या में हताहत होने का जिक्र करते हुए, आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए इन क्षेत्रों में खुफिया तंत्र को मजबूत करने सहित रणनीति में बदलाव करने की अपील की है। रक्षा एवं सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि यह जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की पाकिस्तान द्वारा की जा रही कोशिश है। जम्मू कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एसपी वैद्य ने कहा, ''अक्टूबर 2021 से हुए घटनाक्रमों पर गौर करने पर आप पाएंगे कि जम्मू क्षेत्र में अशांति पैदा करने और आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के लिए एक समन्वित कोशिश की गई है।''

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद से पूरा आतंकी ढांचा उखड़ गया है और ज्यादातर आतंकियों तथा उनके नेतृत्व का सफाया किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों की लक्षित हत्याओं सहित आतंकियों की कई रणनीतियों को सुरक्षा एजेंसियों ने नाकाम किया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व पुलिस प्रमुख ने कहा कि आतंकवादी कश्मीर में कार्रवाई का सामना करने के बाद अब पीर पंजाल क्षेत्र में राजौरी-पुंछ इलाके को निशाना बना रहे हैं।

दूसरी ओर, रक्षा विशेषज्ञ ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) विजय सागर धीमान ने कहा, ''जवान शहीद हो रहे हैं। लोगों को असुविधा हो रही है। वे प्रशासन में विश्वास खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां हमलों को रोकने के लिए निर्धारित समय से अधिक देर तक काम कर रही हैं।

महिलाओं ने पेंट बनाकर कमाए 17 लाख रुपए

कलेक्टोरेट बिल्डिंग सहित अन्य भवनों की गोबर पेंट से हुई पुताई

रायपुर। गोधन न्याय योजना ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं की आर्थिक आजादी के नए सोपान गढ़े हैं। योजना के तहत गौठानों में 200 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गोबर खरीदी की जा रही है। गोबर का उपयोग जैविक खाद के अलावा गोबर से पेंट बनाने में किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

प्राकृतिक पेंट निर्माण को बढ़ावा देने के लिए गाय के गोबर से पेंट निर्माण करने की इकाई राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित की जा चुकी है। इसी तरह की गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण की इकाई कोण्डागांव जिले के मर्दापाल रोड स्थित शहरी गौठान में 26 जनवरी 2023 को शुरू की गई है। यहां 3 महीने में ही 7 हजार 368 लीटर से अधिक पेंट का निर्माण किया जा चुका है। इकाई में स्व-सहायता समूह की 10 महिलाओं द्वारा गोबर से प्राकृतिक पेंट का निर्माण किया जा रहा है। अब तक 17 लाख 43 हजार रुपये के 7 हजार 351 लीटर गोबर पेंट का विक्रय किया जा चुका है।

कोण्डागांव जिले में गोबर से बने पेंट का उपयोग सरकारी भवनों, स्कूलों एवं छात्रावासों की पुताई के लिए किया जा रहा है। कलेक्टोरेट बिल्डिंग सहित अन्य भवनों की गोबर पेंट से पुताई की गयी है, जिससे ये भवन अधिक सुन्दर और आकर्षक दिखने लगे हैं। प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल से पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिल रहा है जिससे उनकी आय में वृद्धि भी हो रही है।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती मीना विश्वास बताती हैं कि वे गोबर से डिस्टेंपर एवं इमल्शन पेंट का निर्माण बना रही हैं। इकाई को लोक निर्माण एवं जिला निर्माण समिति द्वारा गोबर पेंट क्रय हेतु अग्रिम आर्डर दिया गया है। गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध गोबर का सदुपयोग होने के साथ ही युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है। इससे वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर गोबर के पेंट निर्माण से स्कूलों, आश्रम-छात्रावासों, शासकीय भवनों तथा आम लोगों के घरों के लिए किफायती दर पर इमल्शन एवं डिस्टेंपर आसानी से मिल रहा है।

तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गयी महिला पर तीन भालुओं ने किया हमला

कोरबा। तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गई एक महिला पर तीन भालुओं ने हमला कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। महिला को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है। मामला कोरबा वनमंडल के पसरखेत वन परिक्षेत्र का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम केराकछार में रहने वाली 45 वर्षीय सुखमत बाई अन्य महिलाओं के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए जंगल गई हुई थी। इसी दौरान झाड़ियों के बीच से निकलकर तीन भालुओं ने उस पर हमला कर दिया। इस दौरान बाकी महिलाओं ने जान बचाने मौके से भाग गई। महिला को मृत समझकर भालु जंगल की तरफ भाग गए। फ्लिहाल गंभीर रुप से हुई घायल महिला का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

ऐसे सेवक को चुनिए जो जनता की सेवा करें - भंजदेव

■ वर्तमान विधायक के प्रति आक्रोश दिखाया जनता ने

नगरी। सिहावा विधानसभा क्षेत्र में जनता से जनसंपर्क कर रहे द्वितीय दिवस में बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव पहुंचे बेलरगांव मंडल के घोटगांव में जहां पर राजा साहब के पहुंचने से पहले ही सैकड़ों की संख्या में लोग उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। घोटगांव सरपंच रामेश्वरी कुंजाम शक्तिकेंद्र प्रभारी कोमल पटेल के नेतृत्व में पंचायत के सभी जन समूह ने भंजदेव जी का बाजे गाजे के साथ भव्य स्वागत किया, उसके बाद सभा संपन्न हुई। पश्चात बोराई में बुद्धदेव के दर्शन व पूजा करने के लिए मंदिर उतरे जहां बोराई सरपंच किरण भोयर ईश्वर नेताम जनपद सदस्य यामिनी नाग सहित वहीं पंचायत के सैकड़ों लोग उन्हें देखने को उमड़ पड़े। उसके पश्चात घुटकेला में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे कार्यक्रम सभा में सभा का नेतृत्व सरपंच जागेश्वर नेताम,अकबर कश्यप, प्रेमलता नागवंशी, प्रकाश बैस कर रहे थे। दोनों पंचायत के हजारों लोग सभा में भाग लिए। संबोधन की कड़ी में पूर्व विधायक श्रवण मरकाम ने सभा को संबोधित किया। राजा साहब के उद्बोधन से पहले ग्रामीणों ने वर्तमान विधायक के प्रति आक्रोश प्रकट किया लोगों ने कहा की गांव में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है, आवास का पैसा रोक दिया गया है। नल जल मिशन ठप पड़ा है, बेरोजगारों को भत्ता के लिए ठगा जा रहा है।

राजा कमलचंद्र भंजदेव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं एक राजा हूं मुझे राजनीति में आने की क्या पड़ी है, मैं राजनीति नहीं करता किंतु राजा होने के नाते मेरा फर्ज बनता है कि मैं जनता की सेवा करूं। जनता के दुख दर्द को दूर करूं, इसीलिए मुझे मजबूरन राजनीति में आनी पड़ी। मैंने देखा की जनता त्राहि-त्राहि हो रही है कांग्रेस सरकार के कार्यों से उनका कोई काम नहीं हो रहा है, सभी काम अटके पड़े हैं। इसलिए मैं निवेदन करने आया हूं की ऐसे सेवक को चुनिए जो जनता की सेवा करें। बताने आया हूं कि माई दंतेश्वरी की सेवा करें और जब मां दंतेश्वरी अपने भक्तों पर खुश होती है तो लक्ष्मी का रूप धारण करती है और वह कमल फूल में सवार होकर सुख समृद्धि और धन की वर्षा करती है। इसलिए मैं आप सब से कहने आया हूं कि मां दंतेश्वरी का दूसरा रूप लक्ष्मी जहां वास करती है कमल फूल अगली बार जब आप लोग वोट डालने जाएं तो मां दंतेश्वरी को याद करके जाएं। विधानसभा में आप कमल फूल का बटन दबाएं और विकास को अपने गांव गली घर तक लाएं। विधानसभा मीडिया प्रभारी रामगोपाल साहू ने राजा कमलचंद्र भंजदेव एवं सभा में उपस्थित समस्त कार्यकर्ता एवं जनता को धन्यवाद ज्ञापित किया।

2000 करोड़ के शराब घोटाले के विरोध में भाजपा ने फूंका पुतला

कोरबा। प्रवर्तन निदेशालय ईडी द्वारा प्रदेश में दो हजार करोड़ शराब घोटाला उजागर किए जाने के बाद भाजपा ने विरोध शुरू कर दिया है। भाजपा द्वारा आमसभा व विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री व आबकारी मंत्री का पुतला फूंकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस के साथ धक्कामुक्की व झूमा-झटकी भी जमकर हुई। पुलिस ने पानी डाल कर बुझाया और अधजला पुतला उठा कर ले गई।

ट्रांसपोर्ट नगर चौक में भारतीय जनता युवा मोर्चा व महिला मोर्चा ने मंगलवार को धरना देकर आमसभा की। इस दौरान उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर अनेक आरोप लगाए। वक्ताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार का एक नया घोटाला शराब घोटाला सामने आया है। ईडी ने प्रेस नोट जारी कर शराब बिक्री में कांग्रेस सरकार द्वारा लगभग 2000 करोड़ की कमीशन खोरी कर घोटाला किए जाने का खुलासा किया है। शराब बंदी के नाम पर कांग्रेस सत्ता में आई और शराब बंदी तो नहीं की, बल्कि प्रदेश में बिक्री बढ़ गई है। ईडी की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार खुद

इसमें शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता के साथ कांग्रेस ने धोखा किया है।

झूठा वायदा कर जनता को कांग्रेस सरकार ने छला है। सभा के बाद नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं ने जैसे ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व आबकारी मंत्री कवासी लखमा का पुतला दहन करने का प्रयास किया, तब वहां उपस्थित पुलिस ने कार्यकर्ताओं से पुतला छीनने का प्रयास किया। इससे पुलिस व कार्यकर्ताओं के मध्य झूमा झटकी होते रही। बाद में पुलिस ने बाल्टी से पुतले में पानी डाला और कार्यकर्ताओं से छीन कर ले गई। इस दौरान पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर, जिला अध्यक्ष डा राजीव सिंह, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, जिला महामंत्री संतोष देवांगन, टिकेश्वर राठिया, नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, सतविंदर पाल सिंह बग्गा, जिला मीडिया प्रभारी मनोज मिश्रा, सह प्रभारी पवन सिन्हा, आइटी सेल नवदीप नंदा, इंटरनेट मीडिया सेल अजय चंद्रा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पंकज सोनी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वैशाली रत्नपारखी, प्रदेश सदस्य मंजू सिंह, महामंत्री संजू देवी राजपूत, मंडल अध्यक्षों में अजय विश्वकर्मा, परविंदर सिंह, लक्ष्मी श्रीवास, शिव चंदेल, भाजयुमो जिला महामंत्री नरेन्द्र देवांगन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

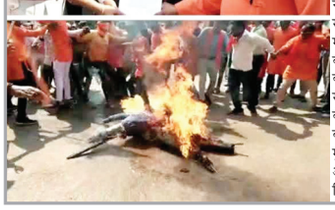

विहिप और बजरंगदल का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन, खड़गे का फूंका पुतला

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में बजरंग दल पर बैन लगाने को लेकर बवाल जारी है. विश्व हिन्दू परिषद और बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया. साथ ही बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के खिलाफ अपशब्दों के प्रयोग का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से इस्तीफा मांगा है. बजरंगदल का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शनबलौदाबाजार/भाटापारा- बजरंग दल पर बैन लगाने को लेकर जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में विश्व हिंदू परिषद और बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया है।

पाटन विधानसभा के कांग्रेसजनों के सहयोग से बन रहा भव्य राजीव भवन

पाटन। पाटन विधानसभा के मुख्यालय पाटन में कांग्रेसजनो के सहयोग से बन रहा भव्य राजीव भवन(कांग्रेस भवन) के लिए सेक्टर के हिसाब से वरिष्ठ कांग्रेस जनो की नियुक्ति की गई है ।प्रभारियों द्वारा सेक्टर के ग्राम इकाइयों में बैठक कर कांग्रेसजनो से कांग्रेस भवन हेतु सहयोग के लिए अपील करेंगे।ब्लॉक कांग्रेस कमेंटी के अध्यक्ष एवम राजीव भवन निर्माण समिति द्वारा नियुक्त बैठक प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। बैठक आज 10 मई से 20 मई के बीच प्रत्येक ग्राम इकाई में बैठक कर कांग्रेसजनो से सहयोग की अपील करेंगे।नियुक्त बैठक प्रभारियों की सूची में नगर पंचायत पाटन - जवाहर वर्मा,ढौर, छाटा, सेलुद सेक्टर अध्यनी साहू ,नगर पालिका अम्लेश्वर,पहांदा (अ), पतोरा सेक्टर- राकेश ठाकुर,सोनपुर,तेलीगुंड्रा सेक्टर- अशोक साहू,देवादा, देमार सेक्टर - देवेंद्र चंदवंशी औंधी,नारधी सेक्टर - संजय यदु लोहरसी सेक्टर - सालिक साहू,करसा सेक्टर - ललित सिन्हा जामगांव(एम),सावनी सेक्टर -दिनेश साहू,झीट,करगा सेक्टर- अनिल चंद्राकर,सिकोला,चंगोरी सेक्टर -पुरुषोतम कश्यप,सोरम सेक्टर अजय सिंगोर महकाकला सेक्टर पुरुषोत्तम तिवारी महुदा,जमराव सेक्टर - प्रशांत शुक्ला को बड़ी जवाबदारी दी.गई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग नीति से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार प्रदान कर उनकी आमदनी को बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग नीति 2023-24 लागू की गई है। जिसके अंतर्गत जिले में पारंपरिक रूप से कृषि, पशुधन, वनोपज आधारित एवं महिला व युवा स्व सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों को विकसित करने का कार्य किया जाएगा। ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग नीति 2023-24 में कोदो, कुटकी, रागी, मक्का, टमाटर, सब्जियां, चाय, कॉफी, काजू, मछली पालन, मधुमक्खी पालन, शहद उत्पादन, कोसा, रेशम उत्पादन, हर्बल्स औषधियां, लाख, साबुन, बड़ी, पापड़, आचार, अगरबत्ती, बुनकर, सूती एवं कोसा वस्त्रों का उत्पादन, माटी कला, आधुनिक कुटीर उद्योग शामिल है । इसी प्रकार सेवा क्षेत्र अंतर्गत छोटे उद्यमी (नाई, धोबी, राज मिस्त्री, बिजली मिस्त्री आदि), गैर पारंपरिक उत्पाद (गोबर पेंट, गोमूत्र इन्सेक्टिसाईड, गोबर गैस से बिजली उत्पादन आदि) जैसे अन्य कार्य शामिल है।

सिहावा क्षेत्र के अंतिम छोर में पहुंचे बस्तर महाराज

नगरी । भाजपा के सिहावा विधानसभा प्रभारी बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन क्षेत्र के अंतिम छोर में बसे ग्राम बोरई घुटकेल पहुँचे, जहाँ उन्होंने माँ दंतेश्वरी की पूजा अर्चना की और उनका ग्रामवासियों ने बाजा गाजा राउत नाचा एवं देव मोहरी के ध्वनि के साथ भव्य स्वागत किया। जिसके पश्चात नव निर्मित राधा कृष्ण मंदिर में भी बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव ने पूजा की। बता दें की घुटकेल बोरई क्षेत्र के देवी देवता हर वर्ष बस्तर के प्रसिद्ध 75 दिवसीय दशहरा में सम्मेलित होने जाते हैं। बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव ने इस अवसर पर आराध्य देवी देवताओं की आराधना करने को कहा तथा सभी से आगामी दशहरा जो की 600 वां वर्ष होगा उसका निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर बस्तर महाराजा कमल चंद्र भंजदेव के साथ पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम, जिला महामंत्री प्रकाश बैस, जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, मंडल अध्यक्ष अकबर कश्यप, विधानसभा मीडिया प्रभारी रामगोपाल साहू, मंडल महामंत्री मनोहर मनिकपुरी, सुलोचना साहू, दिनेश्वरी नेताम, हेमलता साहू, हुमित लिमजा, करन सेन, चित्रांश नागवंशी, संतोष साहू, पदुम निर्मलकर, शत्रुघन नागवंशी आदि उपस्थित रहे।

विधायक जैन ने झारगाइन माता से बस्तर की शांति-समृद्धि की कामना की

जगदलपुर। मंगलवार को भरी बारिश में शहर के लाल बहादुर शास्त्री वार्ड के मेला में पहुंच जगदलपुर विधायक व संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने बस्तर अंचल के शांति, सुख व समृद्धि की कामना की। शाम को पहुंचे विधायक ने पहले पूजा- पाठ किया, फिर मेले में आए लोगों से मुलाकात की। उन्होने मंदिर तथा मेला समिति से जुड़े तमाम गणों से मेला शांतिपूर्वक तथा सौहार्द भाव से मनाने की बात भी कही। साथ ही, उपस्थित लोगों को बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन व नेतृत्व में प्रदेश में सामाजिक सौहार्द प्रसारित करने का कार्य हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में देवगुडियों का संरक्षण किया जा रहा है। इस दौरान उनके साथ वार्ड पार्षद यशवंत ध्रुव, पुजारी शिवचरण नाग, श्याम बघेल, शंकर बघेल, बैगा गुड्डी सोनवानी, हेमू उपाध्याय, संतोष सिंह, कुलदीप भदौरिया, सुलेखा प्रजापति, नीला बघेल, विमला नाग, मनीष साहू, खगेश्वर कश्यप, शंकर सोनवानी, कृष्णा नाग, कृपाशंकर सोनवानी, देवी परमार, महेंद्र बघेल समेत सैकड़ों जन मौजूद थे।

जले में पेयजल को लेकर हाहाकार, आम आदमी पार्टी का मटका फोड़ प्रदर्शन

कोरबा। आम आदमी पार्टी कोरबा के तत्वाधान में मटका फोड़ विरोध प्रदर्शन किया गया। जहां सैकड़ों की संख्या में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता रैली की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे स और मुख्य गेट के सामने कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। जिसके बाद कोरबा तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर प्रदेश सचिव विशाल केलकर ने बताया कि जिले के कई इलाकों में पेयजल को लेकर त्राहि-त्राहि मची हुई है और शासन प्रशासन मौन है जिला अध्यक्ष चंद्रकांत डिक्सेना ने कहा कि अब आश्वासन से काम नहीं चलेगा। शासन प्रशासन को एतिहात कदम उठाना ही पड़ेगा। महिला विंग अध्यक्ष प्रतिमा सिन्हा ने मांग पर जल्द सुनवाई नहीं होने की स्थिति में आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है वहीं कार्यकर्ताओं की बातें सुनने के बाद तहसीलदार लखेश्वर सिदार ने उचित कार्यवाही की बात कही है।

जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य प्रगतिरत्

कोरबा। जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित कोरबा अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य 7 मई से प्रारंभ किया जा चुका है। वर्ष 2023 तेंदूपत्ता संग्रहण लक्ष्य की पूर्ति हेतु जोनल अधिकारी एवं पोषक अधिकारियों की नियुक्ति किया गया है। जिससे उच्च गुणवत्ता वाले तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा सके। जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित वनमण्डल कोरबा के अंतर्गत 06 वन परिक्षेत्रों के अंतर्गत कुल 38 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियां कार्यरत है। जिले में 34 लाट में 53,800 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। समस्त लॉटों का अग्रिम विक्रय हो चुका है। तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य संपादन हेतु 279 फड़मुंशी, 264 फड़ अभिरक्षक, 28 पोषक अधिकारी एवं 06 जोनल-गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी की नियुक्ति की गई है। प्रबंधकों को समस्त आवश्यक सामग्री वितरण किया जा चुका है।

पेंशन वितरण एवं वन अधिकार पत्र बनाने को दें प्राथमिकता : कलेक्टर

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा ने पेंशन वितरण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए समय सीमा की बैठक में निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को समय पर पेंशन उनके खाते में अंतरित की जाए। उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी सर्व जनपद पंचायत को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेंशन के प्रकरणों का सत्यापन कराएं तथा कोई भी पात्र हितग्राही पेंशन से वंचित न रहे। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के गैर डीबीटी पेंशन हितग्राहियों की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि वन अधिकार पत्र के प्रकरण ग्राम सभा में लंबित नहीं होना चाहिए। वन अधिकार पत्र बनाने का कार्य गंभीरता से किया जाए तथा ग्रामों में लंबित प्रकरणों का सत्यापन कराएं। उन्होंने खाद्य विभाग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सर्व जनपद पंचायत को निर्देश दिए कि राशन कार्ड बनाने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए तहसीलदारों एवं अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीमांकन, बटांकन के प्रकरणों का निराकरण निश्चित समय पर किया जाए। सीमांकन के एक भी प्रकरण लंबित न रहें। श्री झा ने निर्देशित किया कि आरबीसी 6-4 के प्रकरण में संवेदनशीलता बरतते हुए शीघ्र स्वीकृत किए जाएं। कलेक्टर ने जिले में बनाए जा रहे स्कूली जाति प्रमाण पत्र के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कक्षा पहली से पांचवी तक के बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने का कार्य तीव्र गति से पूर्ण किया जाए।

उन्होंने ग्रामीण एवं कुटीर उद्योग नीति 2023-24 के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में तीन से पांच एकड़ तक की भूमि में कुटीर उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि चिन्हांकन हेतु नगर निगम आयुक्त एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को निर्देशित किया। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केसरी को निर्देश दिए कि ग्रामीण जनों को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित हाट-बाजारों में हाट-बाजार क्लीनिक शिविर लगाई जाए। उन्होंने गोधन न्याय योजना की समीक्षा करते हुए उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि जिले के सभी गौठानों में सुचारू रूप से गोबर की खरीदी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सीएसईबी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली संबंधी शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के धार्मिक स्थल मां मड़वारानी मंदिर, चैतुरगढ़ मंदिर, मातिन दाई मंदिर एवं कोसगई मंदिर में बिजली व्यवस्था हेतु उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाएं। श्री झा ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में सुपोषण अभियान को सुचारू रूप से संचालित किया जाए।दूरस्थ ग्रामीण अंचल क्षेत्रों में आधार कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए।

तहसील सतनामी समाज पाटन का आम चुनाव 4 जून को

पाटन। तहसील सतनामी समाज पाटन के निवर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्ति पर नवीन कार्यकारिणी के चुनाव हेतु चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई।तहसील सतनामी समाज पाटन 09/05/23 को निवर्तमान अध्यक्ष सोहन बघेल की अध्यक्षता में बैठक रखा गया। जिसमे सर्वसम्मति से तहसील सतनामी समाज पाटन का आम चुनाव 4 जून मतदान कराने का निर्णय लिया गया।विस्तृत चुनाव कार्यक्रम का प्रस्ताव बैठक में लिया गया। जिसके अंतर्गत ग्रामीण इकाई को स्थानीय सतनामी समाज के गठन का प्रपत्र 13 मई तक जमा किया जा सकेगा। 13मई के बाद आने वाले प्रपत्र को चुनाव हेतु मान्य नहीं किया जाएगा।

ग्रामीण इकाई स्थानीय सतनामी समाज का गठन का प्रपत्र जिस गांव का नहीं आएगा उनको चुनाव प्रक्रिया मतदान व चुनाव लडने की पात्रता नही होगी। तहसील स्तनामी समाज के नियमानुसार कम से कम एक चौथाई लगभग75 इकाई आने पर चुनाव करवाने का प्रस्ताव लिया गया।तहसील सतनामी समाज पाटन की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 15 मई को सतनाम भवन पाटन में किया जाएगा। मतदाता सूची में दावा आपत्ति 17मई को किया जा सकेगा। जिसका निराकरण 19मई को किया जाएगा।चुनाव हेतु नामांकन 21मई व 22 मई को जमा किया जाए जो निर्धारित प्रपत्र व नामांकन शुल्क के साथ जमा किया जा सकेगा।नामांकन शुल्क किसी भी स्थिति में वापसी योग्य नहीं होगी।

24 मई को नामांकन फार्म की स्कुटनी पश्चात व पात्र अभ्यर्थी की सूची चस्पा की जायेगी। 25 मई को दावा आपत्ति व निराकरण किया जाएगा।नामांकन फार्म वापसी 26 मई को लिया जा सकेगा।27 मई को अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह आबंटित किया जाएगा।4जून दिन रविवार को आवश्यकता पडने पर मतदान दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा।मतदान के तुरंत बाद मतगणना कर शाम तक चुनाव परिणाम की घोषणा कर दी जाएगी।। चुनाव संबंधित सभी जानकारी ,मतदाता सूची की छायाप्रति 15मई को सतनाम भवन पाटन से लिया जा सकेगा। आज की बैठक में प्रमुख रूप से तहसील सतनामी समाज पाटन के संरक्षक शीतकरण महिलवार,अध्यक्ष सोहन बघेल सहित समाज के गणमान्य जन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

स्टालिन ने बीजेपी अध्यक्ष के खिलाफ दायर किया मानहानि का मुकदमा

बेंगलुरू। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को चेन्नई की एक अदालत में राज्य भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। याचिका का उल्लेख न्यायाधीश उमा माहेश्वरी की अध्यक्षता वाली अवकाश पीठ के समक्ष किया गया, जिन्होंने आठ सप्ताह के बाद सुनवाई का आदेश दिया है। स्टालिन की ओर से शिकायत दर्ज कराने वाले सरकारी वकील जी देवराजन ने एक स्थानीय समाचार चैनल से बात करते हुए कहा कि 14 अप्रैल को प्रेस वार्ता के दौरान तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ कई शिकायतें कीं। उन आरोपों का कोई सबूत नहीं है और एक तरह से यह मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए, सरकार द्वारा जारी जीओ के अनुसार, मैंने आज मुख्यमंत्री की ओर से मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

पूर्वोत्तर राज्यों में लैंड गवर्नेंस के लिए बनेगा टास्क फोर्स

गुवाहाटी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में लैंड गवर्नेंस के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। असम, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय राज्यों में प्रादेशिक और स्वायत्त जिला परिषदों ने माना कि क्षेत्र में विकास के लिए भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण आवश्यक है। इस तरह के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में विचार-विमर्श में वर्तमान राज्य प्रथाओं और भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण, भूमि शासन मूल्यांकन ढांचे और प्रथागत और स्वदेशी कानूनों, भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण में वर्तमान प्रथाओं और नई पहल और भारत में सर्वेक्षण की भूमिका पर पर सत्र शामिल था। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हालांकि, असम के बाकी हिस्सों में भू-अभिलेखों और नक्शों के कम्प्यूटरीकरण और डिजिटलीकरण की पहल ने अच्छी प्रगति दिखाई है, लेकिन यह देखा गया कि बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद, कार्बी आंगलोंग स्वायत्त जिला परिषद और दीमा हसाओ स्वायत्त जिला परिषद के तहत आने वाले क्षेत्रों में गंभीर अंतर हैं।

विपक्ष ऐसे हों जो सत्तारूढ़ पार्टी से ना डरे, ममता को बनना चाहिए पीएम - स्वामी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने मंगलवार को कहा कि देश को एक वास्तविक विपक्ष की जरूरत है, जो सत्तारूढ़ पार्टी से ना डरे। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के बारे में कहा कि उन्हें भारत का प्रधानमंत्री होना चाहिए। स्वामी ने कोलकाता में फिक्की की ओर से आयोजित एक परिचर्चा सत्र में कहा, मुझे लगता है कि देश को एक वास्तविक विपक्ष की जरूरत है जिसे सत्ता में बैठे लोग ब्लैकमेल नहीं कर सकते। मैं आज बहुत से लोगों को जानता हूं। वे मौजूदा सरकार के खिलाफ एक सीमा से आगे नहीं जाएंगे। क्योंकि उन्हें डर है कि ईडी आएगी या कुछ और आएगा। यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत को एक ऐसे विपक्ष की जरूरत है जो सत्तारूढ़ पार्टी का मित्र नहीं हो।

राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनाएगा फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट कल फैसला सुना सकता है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि पीठ कल दो फैसले सुनाएगी। मार्च में, सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने 2022 के महाराष्ट्र राजनीतिक संकट के संबंध में दायर याचिकाओं के एक बैच पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। संकट एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट का शिवसेना से अलग होकर शुरू हुआ। इस कारण उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई और शिवसेना का विभाजन हो गया। बाद में एकनाथ शिंदे गुट ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बन गए। उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। संविधान का पालन करने से ही देश को फायदा होगा। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नारवेकर ने एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले बुधवार को कहा कि मौजूदा राज्य सरकार के पास बहुमत है, चाहे कोई भी फैसला आए।

हिंसा के बाद मणिपुर की स्थिति में हो रहा सुधार

नई दिल्ली। मणिपुर में फैली हिंसा में अबतक 60 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं हजारों की संख्या में लोग बेघर हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार राज्य में हिंसा का कहर कम होता दिख रहा है। पिछले दो दिनों से किसी के भी हताहत होने की कोई खबर सामने नहीं आई है। राज्य की मौजूदा स्थिति को देखते हुए 11 जिलो में कर्फ्यू में ढील दी गई है। इन जिलों में इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, चुराचांदपुर और जिरिबाम शामिल है जहां सुबह के पांच बजे से छह घंटे के लिए कर्फ्यू में छूट दी गई है। मंगलवार को इन क्षेत्रों में चार घंटों के लिए कर्फ्यू में छूट दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि चुराचांदपुर से 2,500 से भी अधिक और सीमा क्षेत्र वाले मोरेह से 500 फंसे लोगों को निकालकर मंगलवार को इंफाल लाया गया था। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सपम रंजन सिंह ने मंगलवार रात संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा- 4000 लोगों को हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित कैंप में पहुंचाया गया है।

बिजनेसमैन नारायणमूर्ति ने सामान्य लोगों की तरह लाइन में लगकर मतदान किया

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में लोग उत्साह से वोट डाले

बेंगलुरु। कर्नाटक में आज विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जा रहे हैं। लोकतंत्र के इस पर्व में लोग पूरे उत्साह में वोट डालने मतदान केंद्र पहुंच रहे हैं। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस के संस्थापक सदस्य नारायणमूर्ति भी बेंगलुरु की जयानगर विधानसभा सीट पर अपना वोट डालने पहुंचे। खास बात ये है कि अरबपति बिजनेसमैन नारायणमूर्ति ने सामान्य लोगों की तरह लाइन में लगकर मतदान किया। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसके बाद लोग नारायणमूर्ति की सादगी की तारीफ कर रहे हैं।

नारायण मूर्ति की पत्नी और मशहूर सामाजिक कार्यकर्ता सुधा मूर्ति भी नारायणमूर्ति के साथ वोट डालने पहुंची। वोट डालने के बाद मीडिया से बात करते हुए सुधा मूर्ति ने युवाओं को सीख देते हुए कहा कि %कृपया हमें देखें, हम बूढ़े हैं लेकिन हम छह बजे उठकर यहां आए और वोट दिया। कृपया हमसे सीखें। वोट देना लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।% मूर्ति ने कहा कि %मैं हमेशा कहती हूं कि युवाओं को वोट देना चाहिए क्योंकि उनके पास बात करने की ताकत है और बिना वोट किए आपके पास वो ताकत नहीं रहेगी।

वहीं नारायणमूर्ति ने कहा कि पहले हमें मतदान करना चाहिए, उसके बाद ही हम कह सकते हैं कि यह अच्छा है, यह अच्छा नहीं है लेकिन अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो हमें आलोचना करने का भी अधिकार नहीं है। नारायणमूर्ति ने कहा कि %यह बड़ों की जिम्मेदारी है कि वह युवाओं के साथ बैठें और उन्हें समझाएं कि मतदान करना क्यों जरूरी है। यही मेरे माता-पिता ने कहा था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने परिवार समेत डाला वोट

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने अपने परिवार के साथ वोट किया। मतदान से पहले येदियुरप्पा अपने परिवार के साथ शिकारीपुर के श्री हुच्चराय स्वामी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। येदियुरप्पा ने मतदान के बाद दावा किया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने हुबली के एक हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मतदान किया। बोम्मई ने भी लाइन में लगकर आम आदमी की तरह वोट किया।

चलो बनाते हैं कमीशन-मुक्त और प्रगतिशील कर्नाटक- राहुल

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कर्नाटक के लोगों से एक प्रगतिशील और 40 प्रतिशत कमीशन-मुक्त राज्य बनाने के लिए बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा अपने दक्षिणी गढ़ को बरकरार रखते हुए इतिहास रचने की कोशिश कर रही है, जबकि जुझारू कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले वापसी की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने कांग्रेस विनिंग150 हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए हिंदी में ट्वीट किया, कर्नाटक का वोट पांच गारंटी के लिए, महिलाओं के अधिकार के लिए, युवाओं के रोजगार के लिए, गरीबों के उत्थान के लिए। आइए, ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करें। 40 फीसदी कमीशन' मुक्त और प्रगतिशील कर्नाटक का साथ में निर्माण करें। उन्होंने कांग्रेस की पांच गारंटियों वाला एक ग्राफिक भी साझा किया।

कर्नाटक में क्या कर रहीं गोवा की बसें? कांग्रेस अलर्ट

कर्नाटक में आज विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने आरोप लगाए हैं कि गोवा से कई बसें उत्तरी कर्नाटक के चक्कर लगा रही हैं। कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं कि क्या इन बसों से अवैध पैसा लाया जा रहा है या फिर फर्जी मतदान की तैयारी है? कांग्रेस इसे लेकर अलर्ट हो गई है और चुनाव आयोग से इस मामले में कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि गोवा भाजपा, गोवा से लोगों को कादांबा ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बसों में भरकर उत्तरी कर्नाटक क्यों भेज रही है? बीते हफ्ते भी पीएम मोदी की रैली के लिए 100 से ज्यादा बसों में भरकर लोगों को कर्नाटक लाया गया था।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट करते हुए लिखा कि यह गंभीर अपराध है क्या अवैध पैसा लाया जा रहा है? कर्नाटक पुलिस क्या कर रही है? डांडेली के विसलिंग वुड्ज जंगल रिसोर्ट में क्या हो रहा है। क्या विश्वजीत राणे ने यहां छह कमरे बुक किए हैं? इसका उद्देश्य क्या है? क्या चुनाव आयोग इसमें कुछ कार्रवाई करेगा? कर्नाटक चुनाव के क्ष्लए आज मतदान हो रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और कांग्रेस ने एक दूसरे पर तीखा हमला बोला। मामला चुनाव आयोग तक पहुंच गया। भाजपा ने सोनिया गांधी के बयान के खिलाफ शिकायत की तो कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ शिकायत की। बजरंग दल पर प्रतिबंध के मुद्दे पर भी दोनों पार्टियां आमने-सामने आ गईं थी। ऐसे में अब 13 मई को आने वाले नतीजे पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

पीएम मोदी ने कर्नाटक चुनाव में 164 सीटों में प्रचार किया

नई दिल्ली। कर्नाटक में आज विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जा रहे हैं। इसके साथ ही राज्य की जनता 224 सीटों के लिए अपने नए जनप्रतिनिधियों का चुनाव कर लेगी। जनता ने किसे चुना इसका पता 13 मई को लगेगा। जब वोटों की गिनती होगी।

इससे पहले चुनाव प्रचार के दौरान हर पार्टी ने जनता को अपनी ओर रिझाने की कोशिश की। राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे बड़े स्टार प्रचारक रहे। मोदी के यहां कुल 25 चुनावी कार्यक्रम हुए जिसमें रैली, जनसभा और रोड शो शामिल हैं। इसका कितना असर हुआ? भाजपा को इससे कितना फायदा हुआ इसका पता भी 13 मई को चलेगा।

क्या रहा पीएम मोदी का चुनावी कार्यक्रम?

भाजपा के स्टार प्रचारक नरेंद्र मोदी ने सात दिन में 19 सभाओं को सम्बोधित किया जिसमें जनसभा और रैली शामिल हैं। इसके अलावा मोदी ने 6 रोड शो किए। इनमें से तीन बेंगलुरु में और एक-एक मैसूरु, कलबुर्गी और तुमकुरु में आयोजित किए गए। इन्हीं आंकड़ों को जिलेवार देखें तो पीएम ने अपने चुनावी कार्यक्रम में 19 जिले कवर किए जिनमें 164 विधानसभा सीटें पड़ती हैं।

जिन जिलों में मोदी का प्रचार वहां कैसा है चुनावी गणित? - 1. बीदर- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनावी अभियान की शुरुआत बीदर जिले से की। यहां उन्होंने हुमनाबाद में जनसभा की। जिले में कुल छह विधानसभा क्षेत्र हैं। पिछले चुनाव में यहां भाजपा को एक, कांग्रेस को चार और जेडीएस को एक सीट मिली थ।

2. विजयपुर- पीएम का दूसरा चुनावी दौरे वाला जिला विजयपुर (बीजापुर) था। यहां प्रधानमंत्री ने एक रैली की। इस जिले में कुल आठ विधानसभा सीटें आती हैं। 2018 विधानसभा चुनावों में यहां भाजपा को तीन, कांग्रेस को तीन और जेडीएस को दो सीटें मिली थीं।

3. बेलगावी- बेलगावी जिले के कुदाची और बैलहोंगल में प्रधानमंत्री ने एक-एक जनसभा को संबोधित किया। इसके अलावा पीएम ने बेलगावी दक्षिण इलाके में रोडशो भी किया। बेलगावी जिले में कुल 18 विधानसभा सीटें पड़ती हैं। गत चुनाव में यहां भाजपा को 10 और कांग्रेस को आठ सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

4. बेंगलुरु- भाजपा के सबसे बड़े प्रचारक ने अपने चुनावी कैंपेन में चौथा जिला बेंगलुरु शहर को चुना। यहां उन्होंने उत्तर बेंगलुरु क्षेत्र में दो रोड शो किए। इसके अलावा बेंगलुरु शहर में भी एक रोडशो को लीड किया। बेंगलुरु शहर जिले में 28 विधानसभा सीट आती हैं। 2018 में जिले की 11 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। वहीं, 15 सीटें कांग्रेस के खाते में गई थीं। जबकि, दो सीटों पर जेडीएस के उम्मीदवार जीतने में सफल रहे थे।

5. कोलार- प्रधानमंत्री का पांचवां चुनावी दौरे वाला जिला कोलार रहा। यहां उन्होंने एक रैली को संबोधित किया। इस जिले में छह विधानसभा क्षेत्र पड़ते हैं। पिछली बार कांग्रेस ने यहां चार, जेडीएस ने एक और एक सीट पर निर्दलीय विजयी रहा था। भाजपा का जिले में खाता भी नहीं खुला था।

6. रामनगर- रामनगर के चन्नापाटन में प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा हुई। रामनगर जिले में कुल चार विधानसभा क्षेत्र हैं। पिछली बार कांग्रेस ने यहां तीन सीटें जीतीं जबकि एक सीट पर जेडीएस उम्मीदवार विजयी रहा था। जिले में भाजपा का खाता नहीं खुला था।

7. हासन- अपने चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने सातवें जिले के रूप में हासन का चुनाव किया। यहां उन्होंने बेलूर में रैली को संबोधित किया। हासन जिले में कुल सात विधानसभा क्षेत्र आते हैं। गत चुनाव में जिले में जेडीएस ने छह और भाजपा ने एक सीट पर विजय हासिल की थी। एचडी देवेगौड़ा के गढ़ में कांग्रेस का खताा नहीं खुल सका था।

खेल
प्रमुख समाचार

नीतिश राणा के नेतृत्व में कोलकाता राजस्थान रॉयल्स को मात देने मैदान में उतरेगी

कोलकाता। पिछले कुछ मैचों में अच्छे प्रदर्शन से प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को पंख लगाने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम गुरुवार को यहां संघर्षरत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत दर्ज करके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनाने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। दो बार के चैंपियन केकेआर ने करो या मरो की स्थिति में पहुंचने के बाद शानदार प्रदर्शन किया तथा सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम गेंद तक पहुंचे पिछले दोनों मैचों में जीत दर्ज करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। इन दोनों मैचों में जीत से केकेआर का न सिर्फ मनोबल बढ़ा बल्कि वह अंक तालिका में आठवें से छठे स्थान पर पहुंच गया। अभी केकेआर और राजस्थान रॉयल्स सहित चार टीमों के समान 10 अंक हैं। अभी भले ही नेट रन रेट के आधार पर रॉयल्स की टीम आगे हो लेकिन यदि केकेआर इस मैच में जीत दर्ज करता है तो समीकरण भी बदल जाएंगे और नितीश राणा की अगुवाई वाली टीम शीर्ष चार टीम में जगह बना देगी। केकेआर की टीम जहां पिछले दोनों मैच में जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत हैं वहीं पिछले सत्र का उपविजेता राजस्थान रॉयल्स लगातार तीन मैचों में हार से पस्त है। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपनी गलत रणनीति के कारण 200 रन से अधिक के स्कोर का बचाव करने में नाकाम रही और अब वह करो या मरो की स्थिति में पहुंच गई है।केकेआर की टीम गेंदबाजी में सबसे वरुण चक्रवर्ती पर निर्भर रहेगी जिन्होंने उसकी पिछली दोनों जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

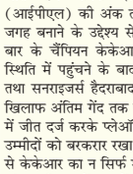

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

इलेक्ट्रिक राजमार्ग के विकास पर कई कंपनियों से चर्चा: नितिन गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य इलेक्ट्रिक राजमार्ग के विकास के लिए वह कई कंपनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। गडकरी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि टिकाऊ विकास ही अंतिम लक्ष्य है और इसके लिए परिवहन के क्षेत्र में कम लागत वाली, प्रदूषण-मुक्त और स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास की जरूरत है। उन्होंने टिकाऊ कारोबारी मॉडल बनाने के लिए बड़ी कंपनियों से आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "कल ही मैंने आर्थिक रूप से व्यवहार्य इलेक्ट्रिक राजमार्ग बनाने के बारे में टाटा और कुछ अन्य पक्षों के साथ चर्चा की।"

शुरुआत में बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार, मगर उतार चढ़ाव के कारण बढ़ी परेशानी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को शुरूआत अच्छी रही और बीएसई सेंसेक्स 204 अंक से अधिक की बढ़त के साथ खुला। हालांकि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से बाजार शुरूआती बढ़त बरकरार नहीं रह पाया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 204.23 अंक की तेजी के साथ 61,965.56 अंक पर रहा।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 57.2 अंक की बढ़त के साथ 18,323.15 अंक पर खुला। हालांकि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से बाद में शुरूआती तेजी जाती रही और सेंसेक्स 71.95 अंक टूटकर 61,689.38 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी 22.85 अंक की गिरावट के साथ 18,243.10 अंक पर रहा।

जीवन बीमा उत्पादों की प्रीमियम राशि बढ़ने से ग्राहक चिंतित: सर्वे

नई दिल्ली। जीवन बीमा के लिये प्रीमियम राशि बढ़ना ग्राहकों के लिये बड़ी चिंता की बात है और इसे किफायती बनाये रखना एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। मंगलवार को जारी एक सर्वे में यह कहा गया है। बाजार के बारे में शोध करने वाली कंपनी हंसा रिसर्च की रिपोर्ट में जीवन बीमा उत्पाद खरीदने के निर्णय में तीन बड़ी बाधाएं बतायी गयी हैं। इसमें आर्थिक बाधाएं/उत्पादों का किफायती होना, बीमा उत्पाद खरीदने को लेकर समस्या की आशंका आदि शामिल हैं। सर्वे देशभर के करीब 3,300 जीवन बीमा पॉलिसीधारकों के विचारों के आधार पर तैयार किया गया है। इन लोगों से पॉलिसीधारक के रूप में उनके अनुभव के बारे में पूछा गया था। रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि कंपनी का ग्राहकों से संपर्क नहीं होने से लोग बीमा पॉलिसी से दूर होते हैं। सर्वे में 22 प्रतिशत ग्राहकों ने पॉलिसी छोड़ने के संभावित कारण के रूप में 'कंपनी का संपर्क में नहीं होने' का हवाला दिया।

लिथियम के शोधन के लिए क्षमता स्थापित करने की जरूरत: आनंद महिन्द्रा

नईदिल्ली। प्रमुख उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने राजस्थान में लिथियम का भंडार मिलने पर मंगलवार को खुशी जताते हुए देश में इस महत्वपूर्ण खनिज की शोधन क्षमता स्थापित करने के लिए तेजी से कदम उठाने का आह्वान किया। महिंद्रा ने एक ट्वीट में कहा कि रिफाइनिंग क्षमता के मामले में चीन के पास पहले से बढ़त है लिहाजा भारत को तेजी से काम करना होगा। उन्होंने कहा, "आखिरकार। हमारे पास 21वीं सदी में विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन का बड़ा भंडार है। यह संकेत है कि भारत का 'रोमांचक भविष्य' है। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला में रिफाइनिंग न कि भंडार प्रमुख तत्व है।

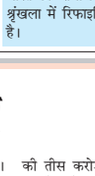

मनुष्य के रोजगार पर रोबोट का प्रहार

मशीनों ने तो दशकों से रोजगारों और नौकरियों का संकट पैदा किया हुआ था। अब इनमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस भी जुड़ गया है। जब तक नौकरियां गंवाने का खतरा ब्लू कॉलर वर्कर्स% तक सीमित था, इलीट क्लास इसे बहुत हल्के में ले रहा था। पर एआई के बढ़ते प्रभुत्व ने इस खतरे को %व्हाइट कॉलर जॉब्स% को भी इसकी जद में ला दिया है। इसीलिए प्रबुद्धवर्ग भी चिंतित दिखाई दे रहा है और %जॉब लास% अब बड़े पैमाने पर चिंता का विषय बन गया है।

पिछले हफ्ते वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट आई है, जिसने इस चिंता को और बढ़ा दिया है। चिंता वाजिब भी हैं। %फ्यूचर ऑफ जॉब्स-2023% शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में बताया गया कि कैसे अगले पाँच सालों में एआई और टेक्नोलॉजी मिलकर लाखों वर्कर्स की नौकरियां खाने जा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में लगभग 8.3 करोड़ लोग अपनी नौकरियां गंवा देंगे। इनमें सबसे ज्यादा एडमिन और एग?जीक्यूटिव सेक्रेटरी, कैशियर, डाटा एंट्री और टिकट क्लर्क, डाक सेवा क्लर्क, बैंककर्मी जैसे पदों पर काम कर रहे कर्मचारी होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग व सस्टेनेबिलिटी स्पेशलिस?ट और बिजनेस इंटेलीजेंस व इन्फॉर्मेशन सिक?योरिटी तथा एनलिस्टों तथा फिनटेक इंजीनियरों के लिए नई-नई संभावनाओं के द्वार भी खुलेंगे और इन क्षेत्रों में नई नौकरियां पैदा होंगी। सतही तौर पर देखने से ऐसा लगता है कि अगर एक तरफ नौकरियां जा रही हैं, तो दूसरी तरफ से आ भी तो रही हैं। लेकिन सच्चाई ऐसी नहीं है। कॉरपोरेट जगत में कोई भी तकनीक तभी अपनी जगह बना पाती है, जब वह उद्योगपतियों के पक्ष में हो, मानव श्रम पर उनकी निर्भरता कम करने में सक्षम हो।

सच यही है कि टेक?नोलॉजी की वजह से नई नौकरियां पाने वालों और गंवाने वालों की संख्या में काफी फर्क होगा। इस संबंध में कुछ साल पहले चीन की एक घटना को याद किया जा सकता है। वहां एक वाहन निर्मात्री कंपनी ने ऑटोमेशन को अपनाया और 49 रोबोट को काम पर रखा। इसकी वजह से दस हजार लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा। यानी एक मशीन ने 200 से ज्यादा इंसानों को बेरोजगार कर दिया। मैनुफैक?चरिंग, आईटी, कृषि और कंसट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में रोबोट और ऑटोमेशन का बढ़ता चलन, करोड़ों नौकरियों के लिए खतरा बन चुका है।

इस असंतुलन को इस प्रकार से समझा जा सकता कि एआई के प्रादुर्भाव से मल्टीलिंगुअलिज्म, रीडिंग, राइटिंग व मैथ, सेंसरी प्रोसेसिंग आदि क्षेत्रों में मांग घटने से अगले पांच सालों में 8.3 करोड़ नौकरियां जा सकती हैं। वहीं क्रिएटिव थिंकिंग, एनेलेटिकल थिंकिंग, टेक्नोलॉजिकल लिटरेसी जैसे क्षेत्रों में सिर्फ 6.9 करोड़ नौकरियाँ ही पैदा होंगी। इसका मतलब है कि 1.4 करोड जॉब्स फिर भी नहीं रहने वाले और इसका पूरा श्रेय जाता है एआई को। इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन साक्स की रिपोर्ट का दावा तो यह है कि एआई की वजह की तीस करोड़ नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है। मौजूदा दौर में सर्वाधिक लोकप्रिय एआई प्रोग्राम चैट जीपीटी को बनाने वाली कंपनी ओपेन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन भी यही चिंता व्यक्त करते हैं कि एआई चैटबोट बहुत सारी मौजूदा नौकरियों को खत्म कर देंगे।

पिछले महीने रिज्यूमबिल्डर डॉट कॉम नाम की एक वेबसाइट ने एक हजार बिजनेस लीडर्स पर एक सर्वे किया था। इसमें पाया गया कि अमेरिका की आधी से ज्यादा कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को एआई से रिप्?लेस कर दिया है। चैट जीपीटी का एडवांस्ड वर्जन चैट जीपीटी-4 खुद बड़ी ईमानदारी से बताता है कि कौन-कौन सी जॉब हैं, जिन्हें वह रिप्लेस कर सकता है। इनमें डाटा एंट्री, कस्टमेयर केयर, प्रूफ रीडिंग, ट्रांसलेशन, ट्रैवल एजेंट, ई-मेल मार्केटिंग जैसी बीस जॉब शामिल हैं।

मणिपुर में अफस्पा का दायरा कम करना भूल थी

कुणाल वर्मा

मणिपुर का इतिहास हिंसा की आग में घिरे रहने का है। इस आग में हमारे पड़ोसी देश भी समय-समय पर घी डालते रहते हैं। ताजा हिंसा के प्रत्यक्ष कारणों में भले ही मैतेई समुदाय से जुड़ा मामला दिख रहा हो, लेकिन तमाम अन्य कारणों की अनदेखी भी नहीं की जा सकती है। सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि क्या केंद्र सरकार ने जल्दबाजी में मणिपुर के अधिकतर क्षेत्रों को सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (अफस्पा) के दायरे से अलग निकालकर ऐतिहासिक भूल कर दी है? लंबे समय बाद किसी राज्य में हिंसा के मद्देनजर प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश यह बताने के लिए काफी है कि मणिपुर की हिंसा कोई सामान्य हिंसा नहीं है। एके-47 से गोलीबारी से लेकर पल-भर में सैकड़ों घरों को आग के हवाले कर देना किसी सुनियोजित साजिश का ही हिस्सा है। दुकानों में लूटपाट से लेकर प्रदर्शनकारियों के हाथों में हथियारों का खुलेआम लहराना, उस शासन व्यवस्था को सीधी चुनौती है जिसने मणिपुर को पूरी तरह शांत समझ लिया है। मणिपुर के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत के बाद से ही पड़ोसी देशों में खलबली मची थी। इस पहाड़ी क्षेत्र में, खासकर म्यांमार और चीन के हितों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हाल ही में राज्य सरकार ने जिस तरह वहां के पहाड़ों में गैरकानूनी तरीके से बसे घुसपैठियों को निकालने का अभियान चलाया है, उससे विरोध की आग सुलगनी शुरू हो गई थी, जो इस तरह की विध्वंसकारी हिंसा के रूप में सामने आई है। पिछले साल और इस साल मणिपुर के कई जिलों को अफस्पा कानून के दायरे से बाहर कर दिया गया है। केंद्र सरकार का मानना है कि मणिपुर अब शांत क्षेत्र में तब्दील होने लगा है ऐसे में इस कानून का महत्व नहीं रह गया है। यह सच है कि मणिपुर के कई क्षेत्रों के लोग अफस्पा कानून को खत्म करने की मांग लंबे समय से करते आ रहे हैं। चुनाव के दौरान भी यह मुद्दा हावी रहता है, लेकिन इस सच्चाई से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि वर्ष 2023 के चुनाव में सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में इस कानून को हटाने जैसा वादा नहीं किया गया था। कांग्रेस पार्टी के अलावा क्षेत्रीय दलों ने भी अपने घोषणापत्र में लोगों से वादा किया था कि अगर उनकी सरकार बनती है तो यह कानून हटा दिया जाएगा। भाजपा के घोषणापत्र से अफस्पा के गायब रहने के बावजूद जिस तरह वहां के लोगों ने भाजपा को समर्थन दिया वह अपने आप में बहुत कुछ बयां करता है। मणिपुर में 53 फीसदी जनसंख्या मैतेई समुदाय की है। इस वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री से लेकर करीब 40 विधायक इसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि अफस्पा कोई चुनावी मुद्दा नहीं था, बल्कि वहां के अधिकतर लोग शांति व्यवस्था को प्राथमिकता में रखते हैं। मणिपुर के कई क्षेत्रों में अफस्पा के हटने के बाद सरकार विरोधी ताकतों का मनोबल बढ़ चुका था। ऐसे में जिस क्षेत्र को शांत मान लिया गया था वहां हिंसा की एक चिंगारी ने भयानक आग का रूप ले लिया। रूप भी ऐसा कि चौबीस घंटे के अंदर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना और असम राइफल्स के कई बटालियन को मैदान में उतरना पड़ा है। शूट एट साइट के आर्डर जारी करने पड़ गए। करीब नौ हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। हिंसा में मरने और घायल होने वालों का आंकड़ा सरकार ने इस आलेख के लिखे जाने तक सार्वजनिक नहीं किया है।

हल्के में मत लीजिए शिवराज जी

अरविंद तिवारी

सालभर पहले भोपाल के एक कार्यक्रम में दीपक जोशी से मुलाकात हुई थी। पारिवारिक संबंधों के चलते घर-परिवार की सामान्य चर्चा के बाद बात राजनीति की शुरू हुई। सहजता से बोले- अरविंद भाई हम भी राजनीति के खेल में खिलाड़ी ही हैं। आप हमें 20-20 नहीं खिलाना चाहते तो वनडे मैच में मौका दीजिए। यदि वनडे के लिए फिट नहीं हैं तो टेस्ट क्रिकेट खिलाइए और यदि ऐसा लगता है कि टेस्ट क्रिकेट भी हमारे बूते की बात नहीं है तो रणजी ट्रॉफी में मौका दीजिए। अब यदि आप हमें खेलने का मौका ही नहीं देंगे तो फिर हमें खेलने के लिए मैदान तो ढूंढना होगा। तब बात आई-गई हो गई।

पांच दिन पहले जब यह खबर मिली कि दीपक भाई भाजपा छोड़ रहे हैं तो सालभर पुरानी बात ताजा हो गई। तीन दिन पहले जब उन्हें फोन किया तो बोले- अरविंद भाई याद है मैंने सालभर पहले आपसे क्या कहा था। मैंने जब उनकी बात को दोहराया तो बोले अब खेलने के लिए नया मैदान ढूंढ लिया है। जब मैंने कहा कि क्या भाजपा छोड़ने का फैसला अंतिम है, तो बोले बिलकुल। अब यहां रुकने का सवाल ही नहीं उठता। जब मैंने कहा कांग्रेस में जा रहे हो, तो बोले पांच तारीख को दोपहर में इस बारे में बात करेंगे।

दीपक जोशी को मैं उस जमाने से जानता हूं जब 80 के दशक में उन्होंने भोपाल के सबसे बड़े सरकारी कॉलेज हमीदिया कॉलेज के अध्यक्ष का चुनाव एबीवीपी की पैनल से लड़ा था। शिवराजसिंह चौहान तब एबीवीपी के कार्यकर्ता थे और दीपक जोशी के प्रचार के लिए रोज कॉलेज आया करते थे। दीपक भाई अपने पिता कैलाश जोशी की एक विलीज जीप लेकर कॉलेज आते थे और शिवराज जी इसी जीप पर खड़े होकर भाषण देते थे। गजब का तालमेल था दोनों का। इसी चुनाव में आलोक संजर उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार थे। पूरी पैनल चुनाव जीत गई। फिर दीपक जोशी युवा मोर्चे की राजनीति में आ गए। 2003 में जब उमा भारती ने उन्हें पहली बार विधानसभा का टिकट दिया, तब से अब तक उनके कई रूप हमने देखे। 2018 में विधानसभा चुनाव हारने के बाद थोड़े निराश थे, पर कहते थे राजनीति में यह सब चलता रहता है, कभी हार, कभी जीत।

पिछले पांच-छह दिन में दीपक जोशी के जो तेवर देखने को मिल रहे हैं, उससे साफ है कि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में जाने का फैसला उन्होंने मजबूरी में ही लिया। गले-गले तक भरने के बाद यह स्थिति बनी। हालात कितने बिगड़ चुके हैं, इसका अंदाज इसी बात से लगाया जा चुका है कि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि दीपक मेरे छोटे भाई हैं। दीपक कह रहे हैं कि मैं उन्हें अपना बड़ा भाई नहीं मानता। इससे बढ़कर वे यहां तक बोल गए कि यदि कांग्रेस पार्टी ने मौका दिया तो मैं शिवराजसिंह चौहान के खिलाफ बुधनी से चुनाव लडने् के लिए भी तैयार हूं। और भी कई तीखे सवाल उन्होंने मुख्यमंत्री पर दागे और संगठन के जिम्मेदार लोगों पर भी सवाल खड़े किए। सुनकर आश्चर्य लगता है, पर यह तो कटु सत्य है कि 30 महीने में भी कैलाश जोशी का स्मारक तो नहीं बन पाया।

सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसी नौबत आई क्यों? क्या पार्टी में संवाद का सिलसिला खत्म हो चुका है? क्या जिम्मेदार पद पर बैठे लोग बेपरवाह हो गए हैं? आखिर क्यों मुख्यमंत्री उन्हें अनदेखा कर रहे थे? क्यों वीडी शर्मा या हितानंद ने उनकी बात पर गौर नहीं किया? क्या पार्टी में एक भी ऐसा नेता नहीं है जो उन्हें समझा पाता? क्यों कैलाश विजयवर्गीय जैसे नेता, जिनसे जोशी की बहुत अच्छी ट्यूनिंग है, को संवाद की जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई? तीन बार विधायक रह चुके नेता की हाटपिपल्या से लेकर भोपाल तक यदि सुनवाई नहीं होगी और दिल्ली वाले भी खामोश रहेंगे तो फिर ऐसा ही नतीजा देखने को मिलेगा।

दीपक जोशी के भाजपा छोड़ने को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। इससे जो संदेश जाएगा, वह कइयों के लिए परेशानी का कारण बनेगा। कार्यकर्ता यह सवाल तो खड़ा करेंगे ही कि जिन कैलाश जोशी ने मध्यप्रदेश में जनसंघ, जनता पार्टी और भाजपा की जड़ें मजबूत करने के लिए अपना पूरा जीवन झोंक दिया, उनका बेटा आखिर यह निर्णय लेने को क्यों मजबूर हुए? कैलाश जोशी को आज भी मध्यप्रदेश की राजनीति में संत के रूप में जाना जाता है। वे आठ बार विधायक रहे, एक बार राज्यसभा के सदस्य रहे और दो बार भोपाल से सांसद। 2014 में यदि उन्हें घर नहीं बिठाया गया होता तो वे एक बार और भोपाल से चुनाव जीतते। इसकी कसक उन्हें जब तक जिंदा रहे, तब तक रही। ऐसे संत नेता का बेटा यदि भाजपा को छोडने् को मजबूर हुआ है तो इसे बिलकुल भी हल्के ढंग से नहीं लेना चाहिए। दीपक का यह फैसला पार्टी के कर्ताधर्ताओं पर भी प्रश्नचिह्न तो खड़ा करता ही है।

छ्ः महीने बाद विधानसभा चुनाव होना है। उसका मुहूर्त ही बिगड़ गया है। दीपक जोशी की बगावत कम से कम मालवा निमाड़ में तो पार्टी को नुकसान पहुंचाएगी, क्योंकि मुद्दा दीपक जोशी के कांग्रेस में जाने से ज्यादा कैलाश जोशी के बेटे का भाजपा छोड़ना बनने वाला है। इस सिलसिले को यदि नहीं थामा गया तो ऐसे आक्रोशित स्वर रोज मुखर होने लगेंगे। जोशी के बाद सत्यनारायण सत्तन और भंवरसिंह शेखावत तो अपना रौद्र रूप दिखा ही चुके हैं। इनकी मान-मनुहार भी शुरू हो गई है, लेकिन जो संदेश आगे बढ़ रहा है, वह तो भाजपा के लिए नुकसानदायक ही है।

कृपया इनसे सीखें

राजाराम ने 7 पहाड़ काट बनाई 40 किलोमीटर लंबी सड़क

बिहार के दशरथ मांझी जैसा ही महाराष्ट्र अहमदनगर जिले में भी एक माउंटेन मैन है। पह काट कर रास्ता बनाने वाले माँझी जैसी ख्याति 84 वर्षी राजाराम भापकर को अब तक नहीं मिली। लेकि भापकर ने भी अपने दम पर सड़कें बनाने के लिए सा 7 पहाड़ काट डाले हैं। अहमदनगर जिले के गुंडेगाँव अध्यापक रह चुके राजाराम भापकर ने पूरे इलाके में 40 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने के लिए सात पहाड़ काटने में अपनी जिंदगी के 57 साल लगा दिए।

इस अथक परिश्रम से उनके इलाके के लोग उनका बहुत सम्मान करते हैं। भापकर गुरुजी के नाम से विख्यात यह शख्स देखने में एकदम साधारण ग्रामीण नजर आता है। सफेद कमीज, पैजामा और गांधी टोपी पहनने वाले भापकर ने अपने मजबूत इरादों से पहाड़ों को भी हिला दिया। सिर्फ सात जमात पढ़े भापकर ने बताया कि देश की आजादी के समय गुंडेगाँव से बगल के गाँव जाने के लिए पगडंडी तक नहीं थी। जब वह कोलेगाँव स्थित जिला परिषद स्कूल 1957 से 1991 के बीच पढ़ाते थे, तब उनके गाँव के लोगों को कोलेगाँव जाने के लिए तीन गाँवों को पार करके जाना पड़ता था। उन्होंने अपनी जद्दोजहद का जिक्र करते हुए बताया कि सरकारी अमले से उन्होंने संतोष पर्वत को काटकर 700 मीटर की सड़क बनाने की अपील की। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसलिए राजाराम ने खुद ही आसपास के गाँवों से जोड़ने वाली सात सड़कें 57 साल की अवधि में बनाई। सबसे पहले भापकर ने कोलेगाँव से डेउलगाँव होकर जाने वाले 29 किमी के रास्ते का छोटा विकल्प पहाड़ काटकर मात्र दस मिलोमीटर लंबा कच्चा रास्ता बनाकर किया। उनके साथ काम करने वाले ग्रामीणों को उन्होंने अपनी जेब से पैसा दिया।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1857 – भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम इसी दिन आरंभ हुआ था।
1994 – दक्षिण अफ़्रीका में नेल्सन मंडेला द्वारा प्रिटोरिया में एक ऐतिहासिक समारोह में राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की गयी।
1999 – पेनिसिलन के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सर एडवर्ड इब्राहम की मृत्यु।
2001 – भारत एवं ताजिकिस्तान ने संयुक्त घोषणा पर इस्ताक्षर किए, घाना में फ़ुटबाल मैच के दौरान हिंसा, 130 मरे।
2003 – मोजाम्बिक के राष्ट्रपति जोकि अल्बर्टो फिसानों 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे।
2005 – लाहौर-अमृतसर बस सेवा शुरू करने पर भारत और पाकिस्तान सहमत।
2006 – नोबेल पुरस्कार से सम्मानित ऑस्कर एरियास ने दुबारा कोस्टारिका के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। इसरो के अध्यक्ष जी. माधवन नायर और नासा के प्रशासक माइकेल ग्रिफ़िन ने चन्द्रमा पर भेजे जाने वाले भारत के चन्द्रयान 1 पर दो अमेरिकी वैज्ञानिक उपकरण लगाने के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारत में सऊदी अरब के पहले राजदूत शेख़ मुहम्मद इब्न ऊमान अल मुलहेम का 105 वर्ष की आयु में निधन।
2007 – अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने कार्य स्थली पर होने वाले भेदभाव पर रिपोर्ट जारी की।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

संन्यासोपनिषद् (भाग-5)

गतांक से आगे...

क्रमानुसार सभी का अभ्यास करके, सभी अनुभव लेकर, ज्ञान एवं वैराग्य के तत्त्व को अच्छी तरह से जान करके, देह मात्र अवशिष्ट मानकर जो संन्यास धर्म को ग्रहण करता है, वह ज्ञान वैराग्य संन्यासी कहलाता है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ एवं वानप्रस्थ- इन तीनों आश्रमों का पालन करने के पश्चात् वैराग्य (की दृढ़ स्थिति) न होने पर भी नियमानुसार संन्यास ग्रहण करना चाहिए, यह लक्षण कर्म संन्यासी के कहे गये हैं।

इस संन्यास के छः भेद हैं- कुटीचक, बहूदक, हंस, परमहंस, तुरीयातीत तथा अवधूत। कुटीचक संन्यासी शिखा (चोटी) एवं यज्ञोपवीत को अपने शरीर में धारण किये रहता है। इसके अतिरिक्त वह दण्ड, कमण्डलु, कौपीन (लँगोटी), चादर, कंथा (कथरी) को ग्रहण करने वाला, माता-पिता तथा गुरु की आराधना करने वाला; बटलोई, कुदाली और छीका मात्र अपने पास रखने वाला तथा एक ही जगह पर भोजन करने वाला, ऊपर की ओर श्वेत त्रिपुण्ड्र मस्तक में धारण करने वाला और त्रिदण्ड भी धारण करने वाला होता है। बहूदक संन्यासी शिखा आदि, कंथा (कथरी) त्रिपुण्ड्र को धारण करने वाला तथा सभी तरह से कुटी-चक की भाँति मधुकरी (भिक्षा) की वृत्ति वाला होता है, वह केवल आठ ग्रास भोजन ग्रहण करता है । हंस नामक संन्यासी जटाधारी (लम्बे केशों वाला) त्रिपुण्ड्र एवं ऊर्ध्व पुण्ड्र को धारण करने वाला, अनजान स्थान पर माँगकर भोजन करने वाला तथा कौपीन (लँगोटी) मात्र धारण करने वाला होता है।

परमहंस संन्यासी शिखा यज्ञोपवीत से विहीन पाँच घरों से हाथ रूपी पात्र में भिक्षा प्राप्त करने वाला, एक लँगोटी, एक चादर तथा एक बाँस का दण्ड अपने पास में रखने वाला होता है अथवा शरीर पर भस्म धारण कर एक चादर ही अपने पास रखता है और सभी कुछ का परित्याग कर देता है। तुरीयातीतो गोमुखवृत्त्या फलाहारी अनाहारी।

तुरीयातीत संन्यासी सब कुछ त्याग देने वाला, गोमुख वृत्ति वाला, तीन गृहों से फल अथवा अन्न की भिक्षा लेने वाला, अपना शरीर नग्न रखने वाला अर्थात् बिना वस्त्रादि के शरीर को रखने वाला होता है। वह अपने शरीर को मरे हुए की भाँति जान करके किसी तरह जीवन निर्वाह करता है।

क्रमशः

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस- भारत कोश, ज्ञान का हिन्दी महासागर

विवरणराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस सम्पूर्ण भारत में 11 मई को मनाया जाता है। शैक्षणिक संस्थान तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित संस्थान इसे भारत की प्रौद्योगीकीय क्षमता के विकास को बढ़ावा देने के लिये मनाते हैं। उद्देश्य यह दिवस हमारी ताकत, कमज़ोरियों, लक्ष्य के विचार मंथन के लिये मनाया जाता है, जिससे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमें देश की दशा और दिशा का सही ज्ञान हो सके। विशेष घरेलू स्तर पर तैयार एयरक्राफ्ट हंस-3 ने भी 11 मई के दिन ही परीक्षण उड़ान भरी थी। इसके अलावा इसी दिन भारत ने त्रिशूल मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। अन्य जानकारी
वर्ष 1998 में 11 मई के दिन ही भारत ने अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में अपना दूसरा सफल परमाणु परीक्षण किया था। यह परमाणु परीक्षण पोखरण, राजस्थान में किया गया था। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

भारत में प्रत्येक वर्ष 11 मई को मनाया जाता है। वर्ष 1998 में 11 मई के दिन ही भारत ने अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में अपना दूसरा सफल परमाणु परीक्षण किया था। यह परमाणु परीक्षण पोखरण, राजस्थान में किया गया था। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त होने के उपलक्ष्य में ही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि घरेलू स्तर पर तैयार एयरक्राफ्ट %हंस-3% ने भी इसी दिन परीक्षण उड़ान भरी थी। इसके अलावा इसी दिन भारत ने त्रिशूल मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। यह दिवस हमारी ताकत, कमज़ोरियों, लक्ष्य के विचार मंथन के लिये मनाया जाता है, जिससे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमें देश की दशा और दिशा का सही ज्ञान हो सके। पूरे देश में शैक्षणिक संस्थान तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित संस्थान इसे भारत की प्रौद्योगीकीय क्षमता के विकास को बढ़ावा देने के लिये मनाते हैं। इस दिन उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों को पुरस्कृत भी किया जाता है। बीते कुछ दिनों में भारत ने अपनी उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकी का परिचय देते हुए इंटर कांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) अग्नि-5 और देश का पहला स्वदेश निर्मित राडार इमेजिंग उपग्रह रीसैट-1 का सफल प्रक्षेपण किया। ये दोनों कामयाबी भविष्य के लिये दूरगामी सिद्ध होगीं, क्योंकि हम स्वदेशी प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके रक्षा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और विश्व के छ्ः ताकतवर देशों के समूह में शामिल हो गए हैं।

पाकिस्तान के आगे कुआं, पीछे खाई

बिक्रम उपाध्याय

इमरान खान को कल गिरफ्तार करने के बाद से पाकिस्तान जल रहा है। पाकिस्तानी रेंजर्स इस्लामाबाद हाईकोर्ट के रिकॉर्ड रूम से इमरान को घसीटते हुए ले गए। कहने को पाकिस्तान के नेशनल एकाउंटेबिलिटी ब्यूरो के वारंट पर भ्रष्टाचार के मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी हुई है, पर हकीकत है कि सेना के इशारे पर यह कार्रवाई हुई है। इस गिरफ्तारी की तत्काल वजह बना, रविवार को लाहौर के जलसे में इमरान खान द्वारा आई.एस.आई. के एक बड़े अधिकारी जनरल फैसल नासिर को अपनी हत्या का षड्यंत्र रचने का सीधा आरोप लगाना।

पाकिस्तान में आर्मी के खिलाफ न तो कोई वहां कुछ कह सकता है ना ही आर्मी अपने खिलाफ कुछ सुन सकती है। लेकिन पीटीआई लगातार फौज पर हमलावर है। कहा तो यही जाता है कि पकिस्तान की सत्ता में खान को आर्मी ही लेकर आई और अब आर्मी ही उन्हें ठिकाने लगाने में लगी है।

पिछले साल अप्रैल में इमरान को सत्ता से हाथ धोना पड़ा था। तब उनके ही समर्थक सांसदों ने बगावत कर पाला बदल लिया था और शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पीडीएम की सरकार बनवा दी थी। तभी से इमरान खान यह सिद्ध करने में लगे है कि उनकी सरकार पाकिस्तान की आर्मी ने गिरवाई और उसके लिए सीधे तब के आर्मी चीफ जनरल बाजवा को जिम्मेदार बताते हैं।

इमरान खान की मुश्किल दोहरी है। न केवल आर्मी उनके खिलाफ है बल्कि पाकिस्तानी सरकार की भी उनसे कोई सहानुभूति नहीं है। प्रधानमंत्री रहते उन्होंने इन सबके खिलाफ मुहिम चलाई थी। अब सब उनसे अपना हिसाब ले रहे हैं। रिटायर्ड आर्मी चीफ जनरल बाजवा तो उनके खिलाफ हैं ही, मौजूदा आर्मी चीफ जनरल आसिफ मुनीर भी उनसे खार खाए हुए हैं। उनके और आसिफ मुनीर के बीच उस समय से अदावत चल रही है, जब आसिफ मुनीर पंजाब में तैनात थे और उन्होंने तब के पंजाब के मुख्यमंत्री और इमरान खान के बहुत करीबी उस्मान बुजदार के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत इमरान खान से की थी।

लेकिन इमरान ने उनकी बात पर गौर करने की बजाए आसिफ मुनीर को पंजाब से ही हटा दिया। वजीर-ए-आजम रहते हुए इमरान खान ने पूरी कोशिश की थी कि आसिफ मुनीर पाकिस्तान के सेना प्रमुख न बन पाए, पर ऐसा हो न सका। हालांकि बाद में इमरान ने बहुत प्रयास किया कि नये आर्मी चीफ से सुलह हो जाए, लेकिन जनरल मुनीर ने पुट्ठे पर हाथ नहीं रखने दिया। वैसे यह गिरफ्तारी एनएबी द्वारा दर्ज एक भ्रष्टाचार के केस में हुई है। इसमें इमरान खान पर यह आरोप है कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने पाकिस्तान के बड़े बिल्डर मलिक रियाज की मदद की। लंदन में जब्त 190 मिलियन पाउंड के मनी लांड्रिंग केस में उनकी मदद करते हुए पैसे खजाने में जमा कराने की बजाय उसे वापस बिल्डर को ही दिलवा दिये। बदले में अपने और अपनी बीवी के नाम रजिस्टर्ड ट्रस्ट अल कादिर के नाम 460 कनाल जमीन हासिल कर ली, जिसे पाकिस्तान में 60 अरब रुपए का घोटाला कहा जा रहा है।

कहा जाए तो इमरान को गिरफ्तार कर जेल भेजने की तैयारी बहुत दिनों से चल रही थी। पीटीआई लीडर के खिलाफ पूरे पाकिस्तान में 80 से ज्यादा केस दर्ज है। इनमें तोशाखाना से चोरी, मजिस्ट्रेट को जान से मारने की धमकी, चुनाव आयोग के समक्ष झूठा हलफनामा और अपनी पार्टी के लिए गलत ढंग से विदेशी चंदा जमा करना शामिल है। पर इमरान अभी तक इसलिए गिरफ्तारी से बचते हुए चले आ रहे थे क्योंकि अदालतों से उनको लगातार राहत मिलती आ रही थी। कभी किसी केस में जमानत हो जाती थी तो कभी उनको पेशी से छूट मिल जाती थी।

लेकिन उन्होंने दो दिन पहले फिर से पाकिस्तानी आर्मी के बड़े अधिकारी को जब नाम लेकर उनकी हत्या के षडयंत्र में शामिल होना बताया और केन्या में मार दिए गए पाकिस्तानी पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या के लिए भी उसी अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया तो पाकिस्तानी आर्मी बर्दाश्त नहीं कर पायी। रेंजर्स के जरिए हिरासत में लिया जाना यही इंगित करता है। इसके पहले भी डीजी आईएसपीआर और आईएसआई प्रमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेस करके इमरान खान को फौज पर झूठे इल्ज़ाम लगाने को लेकर चेतावनी दी थी। पर इमरान रुके नहीं और आर्मी पर जबानी हमले करना जारी रखा।

दरअसल इमरान खान पाकिस्तान की सत्ता में वापसी के लिए सभी हथकंडे अपना रहे हैं। वह हर हाल में चुनाव चाहते हैं वह भी अपनी दी हुई तारीख पर। पाकिस्तान के संविधान में एसेम्बली भंग होने के 90 दिनों के अंदर चुनाव कराने का प्रावधान है और इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पिछले नवम्बर में अपनी पार्टी की पंजाब और खैबर पख्तुनवा की सरकार को खुद कह कर असेम्बली भंग करा दी थी। उनका गणित था कि मार्च 2023 तक चुनाव हो जाएंगे और बहुमत पाकर दोनों सूबो में फिर से सरकार बना लेंगे। फिर केंद्र सरकार पर दबाव डालकर जल्दी चुनाव कराने की तारीख ले लेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने अपने अधिकार से बाहर जाकर इमरान का पक्ष लेते हुए जब खुद पंजाब में चुनाव की घोषणा कर दी, तब पाकिस्तान के चीफ जस्टिस बांदियाल ने भी स्वतः संज्ञान लेते हुए पंजाब में 13 मई की तारीख मुकर्रर कर दी। लेकिन शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पीडीएम सरकार ने इमरान के हर दांव को विफल कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग को पैसा नहीं दिया और न ही पुलिस या फौज को चुनाव में ड्यूटी में लगाने की इजाजत दी। उस पर से पार्लियामेंट के जरिए एक नया कानून बना कर चीफ जस्टिस के कई अधिकारों को सीमित कर दिया गया। इसमें स्वतः संज्ञान के आधार पर मुकदमा चलाने के अधिकार में कटौती भी है। फिलहाल पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में जजों द्वारा अपने ही अधिकार में की गयी कटौती पर सुनवाई चल रही है। इधर चुनाव न होता देख इमरान खान आपे से बाहर हो गए हैं और पूरे देश में चीफ जस्टिस के समर्थन में जलसे का आयोजन करने जा रहे थे। इस समय पाकिस्तान की अदालत और पाकिस्तान की सेना भी एक दूसरे के सामने खड़े है। सुप्रीम कोर्ट को इस बात का आर्मी की ओर से संदेश भेजा गया कि वह अपनी हद में रहे और आर्मी की सहमति के बिना कोई भी निर्णय एकतरफा न लें। इस समय पाकिस्तान आगे कुआं पीछे खाई की स्थिति में पहुंच गया है। लोकतंत्र बुरी तरह से फेल होने के कारण वहां फिर से मार्शल लॉ की संभावना बहुत बढ़ गई है और दूसरी तरफ मुल्क दिवालिया होने की कगार पर आ चुका है। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद जो खून खराबा मचा है, वह 1970 के मुक्ति वाहिनी संघर्ष और बांग्लादेश निर्माण की याद दिला रहा है। ऐसा दिख रहा है कि पाकिस्तान फिर से विखंडन के रास्ते पर है।

बापू की दिनचर्या

जलपान (भाग-1)

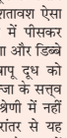

विलायत - प्रवास के विद्यार्थी जीवन में बापू सुबह के जलपान में ओटमील (जई) की लपसी और कोको लेते। बाद में उन्होंने अनुभव किया कि चाय, कॉफी, कोको-सभी का प्रयोग स्वास्थ्य तथा नैतिक-दोनों दृष्टियों से ठीक नहीं। फिर भी आश्रम में मेहमानों के लिए चाय की व्यवस्था वे अतिथ्यधर्म की दृष्टि से करते। दक्षिण अफ्रीका के टालस्टाय फार्म में सन् 1912 में उनका जलपान बहुत सादा होता। वहाँ सुबह छह बजे वे रोटी और गेहूँ की कॉफी लेते। गेहूँ को एक खास तरीके से खूब भून और पीसकर उसका उपयोग कॉफी के रूप में किया जाता। उस कॉफी के उबाले हुए पानी में दूध-चीनी मिलाकर वे पीते और उसमें कॉफी की तरह ही स्वाद का अनुभव करते, किंतु असली कॉफी का नशा बिलकुल नहीं होता। आश्रमवासी भी उनकी तरह गेहूँवाली कॉफी पीते। वहाँ उसमें गाय के दूध के बजाय डिब्बे का दूध काम में लिया जाता। विवशतावश ऐसा करना पड़ता। बाद में मूँगफली को पानी में पीसकर बनाया गया दूध कॉफी में इस्तेमाल होने लगा और डिब्बे का दूध हमेशा के लिए बंद हो गया। बापू दूध को मांसाहार मानते, क्योंकि रक्त, मांस और मज्जा के सत्त्व से ही वह बनता है। इसे वे फलाहार की श्रेणी में नहीं लेते। इसमें हिंसा भले न हो, परंतु प्रकारांतर से यह मांसाहार ही है, ऐसी उनकी धारणा थी। उनके मन में हमेशा यह भावना रही कि दूध मांस है और अहिंसाधर्म का विरोधी है। 1 इसके अतिरिक्त, कलकत्ता जैसे शहरों में गाय-भैंस का दूध फूँका सरीखी अमानवीय तथा घातक प्रक्रिया से निकाले जाने का दृश्य उनके सामने था। इस प्रकार उनके दूध त्यागने में धर्म-भावना की प्रधानता थी। और भी एक.. कारण था। वह यह कि धनी और गरीबों के आहार में मौजूदा भेदभाव को वे अपने प्रयोगों से समाप्त करना चाहते। जब बापू लंदन में छात्रावास्था में थे, उस समय उन्होंने विचार किया कि यह प्राणिज द्रव्य यदि न लिया जाए तो कैसा हो? **क्रमशः...**

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड स्थापना दिवस समारोह आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के 21वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 11 मई को स्थापना दिवस समारोह का आयोजन दोपहर 3.30 बजे न्यू सर्किट हाउस रायपुर के कन्वेंशन हॉल में किया गया है। स्थापना दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड की परीक्षाओं में प्रावीण्य सूची में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं, उत्कृष्ट मदरसा शिक्षकों, संचालकगण और समाज के प्रतिष्ठितजनों को सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष श्री अलताफ अहमद ने यह जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ मदरसा बोर्ड के स्थापना दिवस समारोह में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर करेंगे। कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री अमरजीत भगत, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 11 मई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर वैज्ञानिकों सहित सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस वैज्ञानिकों के द्वारा देश के लिए किये गए अतुल्य योगदान की याद दिलाता है। हमारे वैज्ञानिकों के रचनात्मक कार्यों के परिणामस्वरूप कई सकारात्मक बदलाव और नवाचार हम देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वैज्ञानिकों ने देश के विकास, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कई उल्लेखनीय काम किए हैं। उन्होंने भारत को प्रौद्योगिकी विकास और दक्षता में ऊंचाईयों तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों के प्रति आभार जताया है।

अनवर ढेबर ने लगाया ईडी पर प्रताडऩा का आरोप,रिमांड 5 दिन बढ़ी

रायपुर। अनवर ढेबर की रिमांड अवधि 5 दिन और बढ़ गई है। इधर शराब घोटाले के मामले में हिरासत में लिए गए कारोबारी और महापौर के भाई अनवर ढेबर ने ईडी पर प्रताडऩा का आरोप लगाया है। चार दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद अनवर ढेबर को आज स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया था। जज के सामने अनवर ढेबर ने कहा कि ईडी उन्हें प्रताड़ित कर रही है और सीएम व उनके परिवार का नाम लेने का दबाव बना रही है। मुझे बहुत प्रताड़ित किया गया है। अगर ऐसा चलता रहा तो मैं खुदकुशी कर लूंगा। अनवर ढेबर ने जज के सामने खुदकुशी करने की चेतावनी दी है और कहा कि ईडी उसकी जिम्मेदार होगी। ईडी ने अदालत के समक्ष रिमांड अवधि बढ़ाने की मांग रखी जिसे स्वीकारते हुए पांच दिन की और रिमांड दे दी गई है। वहीं ईडी ने नीतिश पुरोहित को भी आज कोर्ट में पेश किया था।

पेण्ड्रावन जलाशय के कार्य के लिए 31.22 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय द्वारा रायपुर जिले के विकासखण्ड-तिल्दा की पेण्ड्रावन जलाशय के ड्रिप फेस-2 अंतर्गत बांध सुरक्षा के कार्य के लिए 31 करोड़ 22 लाख 95 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रदान की गई है।

शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए काउंसलिंग 17 से

रायपुर। रायपुर संभाग के सहायक शिक्षक एल.बी से शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए काउंसलिंग 17 मई से 21 मई तक होगी। यह काउंसलिंग शासकीय प्रोफेसर जे.एन. पाण्डेय (उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम) बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला रायपुर में दो पाली प्रथम पाली सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगी। काउंसलिंग में वरिष्ठता के आधार पर शिक्षकों का पदांकन किया जाएगा ।संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षक रायपुर ने काउंसलिंग में समस्त शिक्षकों से कहा है कि वे निर्धारित तिथि अनुसार काउंसलिंग प्रारंभ होने के 45 मिनट पूर्व स्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें। शिक्षक पद के रिक्त विद्यालयों की सूची काउंसलिंग स्थल पर प्रदर्शित तथा काउंसलिंग स्थल पर बाहर चस्पा की जाएगी। संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षक रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार काउंसलिंग के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ई-संवर्ग में 17 और 18 मई को विषय-अंग्रेजी, 19 मई को गणित, 20 मई को विज्ञान, हिन्दी और उर्दू विषय की काउंसलिंग की जाएगी। इसी प्रकार टी-संवर्ग में 21 मई को अंग्रेजी, गणित, कला, हिन्दी और विज्ञान विषय की काउंसलिंग होगी। स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार संभाग स्तरीय सहायक शिक्षक एल.बी से शिक्षक के पद पर पदोन्नत शिक्षकों को ओपन काउंसलिंग के माध्यम से स्कूलों में पदांकित किया जाएगा। काउंसलिंग में सर्वप्रथम महिला दिव्यांग शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी उसके बाद पुरूष दिव्यांग शिक्षकों को प्राथमिकता मिलेगीं। गंभीर बीमारी से पीड़ित महिला-पुरूष को प्राथमिकता दी जाएगी। बीमारी के संबंध में प्रमाण पत्र एवं मेडिकल से संबंधित दस्तावेज की प्रति अनिवार्य रूप से लाना होगा।

नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना से सशक्त होती नारी शक्ति

चंदखुरी की नागेश्वरी वर्मा ने बनाई एक अलग पहचान

रायपुर। आरंग विकासखंड के ग्राम कठिया कि नागेश्वरी वर्मा अब किसी परिचय की मोहताज नहीं है। श्रीमती वर्मा ने बताया कि वे एक लघु कृषक मजदूर परिवार से है उनके परिवार में पति एवं दो बच्चे है। उनके द्वारा बिहान योजना अंतर्गत पशु सखी का कार्य किया जा रहा हैं। उनको बिहान जिला इकाई रायपुर द्वारा पशुपालन प्रबंधन पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। उन्होनें बताया कि प्रशिक्षण उपरांत कार्य में गुणात्मक सुधार आया और उनके द्वारा ग्राम में बिहान से जुड़े सभी पशपालको को संगोष्ठी के द्वारा टीकाकरण, कृमिनाशक, बधियाकरण, पशु नश्ल सुधार की जानकारी साथ ही शासन द्वारा संचालित अन्य योजना

जैसे मनरेगा से पशु शेडनिर्माण, पशुचिकित्सा विभाग से प्राप्त होने वाली योजनाओं आदि की जानकारी समूह से जुडी दीदियों को दी जा रही हैं ।नागेश्वरी वर्मा ने बताया कि उनके प्रयास से ग्राम में दो बकरी शेड ,तीन मुर्गी शेड , छ्पशु शेड एवं छ- वर्मी एवं नाडेप टांका का निर्माण किया गया है। श्रीमती वर्मा जय मां शीतला स्व-सहायता समूह से जुडी है। उन्होनें बताया कि अपने समूह से बर्ष 2019 में बीस हजार रुपये का ऋण लेकर विपरीत परिस्थियों में अपना स्वयं का एक छोटा किराना व्यवसाय प्रारंभ किया। जिससे अपने पति को रोजगार से जोड़ा और साल भर मे ऋण की वापसी ब्याज सहित कर दी। उन्होनें अपनी कड़ी मेहनत एवं हुनर से अपनी आय के कई संसाधन बना लिए है । उन्होनें अपने घर पर मनरेगा योजना के अभिसरण से एक मुर्गी शेड, एक नाडेप टांका भी बनाया गया है साथ अपनी स्वयं की लागत से एक वर्मी शेड भी बनाया है। शासन की बाड़ी योजना से प्रोत्साहित होकर अपने घर में बाड़ी का कार्य शुरू किया जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हुई। उन्होनें गोधन न्याय योजना से गोबर विक्रय कर भी आय अर्जित किया हैं। गौठानों में पशुओं के टीकाकरण हेतु पशुपालन विभाग द्वारा ट्रेविस किट एवं वित्तीय प्रोत्साहन राशि चार हजार आठ सौ रू. प्राप्त किया हैं। उन्होंने बताया कि बिहान से जुडने के बाद उनके संयुक्त प्रयास से दो एकड में धान उत्पादन से 35 हजार रुपये, 2 टाके में वर्मी/नापेड खाद से 16 हजार, तीन गाय पालन से 35 हजार, एक किराना स्टोर से 18 हजार, 10 डिसमिल में सब्जी बाडी से 1 हजार, ब्रायलर मुर्गी पालन से 70 हजार, टेऊनर के रुप में मानदेय से 6 हजार सहित अन्य मानदेय से 24 हजार वार्षिक आय प्राप्त होती है। इस प्रकार विभिन्न आजीविका गतिविधियों से उनके सम्मिलित परिवार की मासिक आय में 18 हजार रूपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि पहले उनके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी, गृहस्थी की गाडी जैसे तैसे चल रही थी। श्रीमती नागेश्वरी ने बताया कि बिहान से जुडने के बाद दृढसंकल्प ली की वह स्वावलम्बी बनकर अपने परिवार कि आर्थिक स्थिति ठीक करेंगी तथा अपने विकास के साथ समूह परिवार की गरीब महिलाओं को भी आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में योगदान देगी ।एक बिहान सेवा प्रदाता के रूप में समुदाय के लिए उनके द्वारा किया गया प्रयास उल्लेखनीय है।

छत्तीसगढ़ संपूर्ण दर्शन साझा छंद संग्रह गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड में दर्ज

रायपुर। विगन दिनो राजधानी के वृंदावन हाल में छत्तीसगढ़ संपूर्ण दर्शन पुस्तक का विमोचन संस्कृति व खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि डॉ नंदकुमार साय पूर्व सांसद व गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष दुधाधारी मठ के महंत डा. राजेश्री रामसुंदर दास के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर डॉ. विनय मोहन पाठक पूर्व राजभाषा आयोग अध्यक्ष,डॉ.सोनल राजेश शर्मा संवाददाता गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकार्ड रायपुर,डा.अनिल भतपहरी सचिव राजभाषा आयोग छत्तीसगढ़.माणिक विश्वकर्मा नवरंग, डा.स्नेहलता पाठक, डा.लखन पड़रिया वरिष्ठ साहित्यकार आदि उपस्थित रहे । संपूर्ण छत्तीसगढ़ दर्शन ग्रंथ जो एक विशाल छंदमयी साझा संकलन है,

जिसमें 1007 पृष्ठ हैं एवं छत्तीसगढ़ के 72 विषयों के साथ साथ 117 प्रकार के छंदों में विषयों को छंदबद्ध किया गया है। छत्तीसगढ़ एवं विभिन्न राज्यों के साहित्यकारों ने अपना अमूल्य योगदान देकर इस ग्रंथ को मूल रूप दिया है ।यह अनमोल ग्रंथ छत्तीसगढ़ के लिए एक वरदान सिद्ध होगा ।शिक्षा की दृष्टि से छात्र छात्राएँ इसका अध्ययन कर लाभान्वित होंगे। छत्तीसगढ़ सम्पूर्ण दर्शन छंदमयी विशाल साझा संकलन गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना स्थान बना चुका है, जिसे इस समारोह में गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड संस्था से अवार्डेड किया गया। विशेष बात यह कि दुर्ग जिले से डॉ. दीक्षा चौबे को संस्कृति विभाग से और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित किया गया। इस छत्तीसगढ़ संपूर्ण दर्शन में 72 साहित्यकार शामिल है ।जिसमें मुख्य रूप से चौहान,आशा आजाद,माधुरी डड़सेना, प्रेमचंद साव,मणिलाल पटेल एवं अन्य साहित्यकार शामिल हैं।

विप्र कॉलेज में बीएड छात्रों के बिदाई समारोह में प्रावीण्य हुए सम्मानित

रायपुर। विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में बी एड द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब हमेशा सीखते रहे, विद्यार्थी बने रहे, तभी आप अच्छे शिक्षक बन सकते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या शर्मा ने विद्यार्थियों को हमेशा समय के साथ अपडेट और अपग्रेड रहने की बात कही। इसके बाद बी एड विभाग के समस्त प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए अच्छे शिक्षक बनने के लिए मार्गदर्शन दिए। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में शशिकांत,

अनुशासित विद्यार्थी रंजीत राम, अकादमिक उत्कृष्टता के लिए योगेश और सहयोगी व्यक्तित्व के लिए पितांबर को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया ।उदघाटन समारोह के बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और मनोरंजक गेम्स द्वारा विदाई समारोह को यादगार बनाया। एक दूसरे के डिमांड पर डांस, गाने और अन्य मनमोहक प्रस्तुति से 5 घंटे तक लगातार नाचते ,गाते और झूमते हुए भी सभी विद्यार्थी गर्मी के बाद भी तरोताजा नजर आए। अंत में एलुमनी मीट में हर वर्ष इसी प्रकार मिलने का वादा करके विद्यार्थियों ने एक दूसरे से विदा लिया।

खरीफ कृषि पखवाड़ा का आयोजन 19 मई तक

जगदलपुर। कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विभागीय योजनाओ के प्रचार-प्रसार हेतु 19 मई तक ग्राम स्तर पर खरीफ कृषि पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्यत- राजस्व एवं वनाधिकार पट्टाधारी कृषकों के लिए नवीन केसीसी निर्माण, लैम्पसों में भण्डारित बीज, खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट के उठाव हेतु प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि योजनान्तर्गत कृषकों का ई-केवाईसी, आधार व लैंड सींडिग, गोठानो में गोबर खरीदी की मोबाईल एप में नियमित एंट्री, परिचालन चर्चा, प्रशिक्षण एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन एवं रख-रखाव, खरीफ वर्ष 2023 में प्रदर्शन मिनीकिट बीज वितरण हेतु कृषकों का चयन व अनुमोदन विभागीय योजनाओ का प्रचार-प्रसार का कार्य किया जाएगा।

अरनपुर नक्सली हमले में शामिल दो और नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। पिछले सप्ताह अरनपुर में हुई नक्सली वारदात में शामिल दो और नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अब तक वारदात में शामिल कुल 9 नक्सली पुलिस की गिरफ्त में हैं दो दिन पूर्व ही 7 नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किये गये दोनों नक्सली मलांगिर एरिया कमेटी में मिलिशिया सदस्य के रूप में सक्रिय थे। जिन्हें अरनपुर थाना क्षेत्र के जंगलों से गिरफ्तार किया गया। 2 दिन पहले भी पुलिस ने इस घटना में शामिल 7 नक्सलियों को पकड़ा था। जिनमें 3 नाबालिग भी शामिल थे। गिरफ्तार माओवादी सुक्का ताती और पांडु ताती पिछले कई सालों से नक्सलियों के लिए काम कर रहे थे। बड़े लीडरों के कहे अनुसार आईईडी प्लांट करना, सड़क काटना, पुल-पुलिया को नुकसान पहुंचाने जैसे काम किया करते थे। गिरफ्तार नक्सलियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि, दरभा डिवीजन के नक्सली लीडर्स के कहने पर आईईडी ब्लास्ट कर डीआरजी जवानों से भरे एक वाहन को उड़ाया था। इस वारदात में 10 जवान समेत एक वाहन चालक ने अपनी शहादत दी थी।

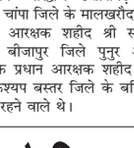

सड्डू-दलदल सिवनी के लोगो को जलभराव की स्थिति से मिलेगी मुक्ति

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने आज सुबह सड्डू-दलदल सिवनी स्थित छोकरा नाला की साफ-सफाई का निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाला से निकाले गये गाद को नाले से दूर रखें ताकि बरसात के दिनों में निकाले गए गाद पुनः नाला में न मिल जाए। ज्ञात हो कि छोकरा नाला में शहर के लगभग 17 छोटे-बड़े नालों का पानी मिलता है। बरसात के दौरान अक्सर छोकरा नाला उफ़ान पर आ जाता है ।इससे नाले का गंदा पानी मोहल्लों के घरों में भर जाता है। जिससे इन मोहल्लों के लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इसके अलावा विषैले जीव-जंतुओं का भी भय बना रहता है ।बारिश से सड्डू और दलदल सिवनी को जलभराव की समस्या से निजात दिलाए जाने के उद्देश्य से नगर निगम रायपुर द्वारा आगामी बरसात के पहले जेसीबी के जरिए नाला के प्रवाह क्षेत्र के लगभग 6 किलोमीटर का सिल्ट सफाई का काम आवासीय क्षेत्र में कराया जा रहा है ।जिससे बारिश के पानी से नाले न उफनाएं और पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके ।साफ-सफाई के बाद क्षेत्र के लोगो को जलभराव की स्थिति से मुक्ति मिलेगी।

नाला साफ-सफाई निरीक्षण के बाद कलेक्टर डॉ.भुरे ने मोवा से दलदल सिवनी तक बन रहे लगभग 3 किलोमीटर सड़क का निरीक्षण भी किया ।इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माणाधीन सड़क पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने कहा जिससे लोगो धूल से परेशानी न हो ।क्षेत्र के लोगो को आवागमन में असुविधा न हो इसके लिए सड़क निर्माण कार्य को यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर निगम के अपर आयुक्त श्री सुनील चंद्रवंशी,ज़ोन आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के तीन शहीद जवानों को सर्वोच्च बलिदान के लिए मिला कीर्ति चक्र

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ के तीन शहीद जवानों को नक्सल ऑपरेशन में सर्वोच्च साहस और बलिदान के लिए कीर्ति चक्र से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने नक्सली हमले में वीरगति को प्राप्त तीनों शहीद जवानों को नमन किया और उनके परिजनों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जवानों के सर्वोच्च साहस और बलिदान के लिए कीर्ति चक्र मिलना परिवारजनों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ में नक्सल ऑपरेशन में शहीद उपनिरीक्षक श्री

दीपक भारद्वाज, शहीद प्रधान आरक्षक श्री सोढ़ी नारायण तथा शहीद एसटीएफ प्रधान आरक्षक श्री श्रवण कश्यप के परिजनों को कीर्ति चक्र प्रदान किया। समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने शहीद श्री दीपक भारद्वाज की पत्नी श्रीमती प्रंतिका भारद्वाज, शहीद आरक्षक श्री सोढ़ी नारायण की पत्नी श्रीमती सुशीला सोढ़ी और एसटीएफ प्रधान आरक्षक शहीद श्री श्रवण कश्यप की पत्नी श्रीमती दुतिका कश्यप को कीर्ति चक्र प्रदान किया। इन तीनों जवानों को राष्ट्रपति द्वारा बस्तर अंचल के बीजापुर जिले में हुए नक्सल ऑपरेशन में सर्वोच्च साहस और बलिदान के लिए कीर्ति चक्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि उपनिरीक्षक शहीद श्री दीपक भारद्वाज छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के मालखरौदा के पिहरीद, आरक्षक शहीद श्री सोढ़ी नारायण बीजापुर जिले पुनुर और एसटीएफ प्रधान आरक्षक शहीद श्री श्रवण कश्यप बस्तर जिले के बनिया गांव के रहने वाले थे।

कवर्धा में जोगी कांग्रेस ने सीएम बघेल का फूंका पुतला

कवर्धा। कवर्धा में जेसीसीजे कार्यकर्ताओं ने सीएम बघेल का पुतला फूंका. शहर के सिग्नल चौक पर जेसीसीजे के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ जमकर नारे बाजी की. जिसके बाद सीएम का पुतला फूंका. जोगी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मुख्यमंत्री के सांठगांठ से छत्तीसगढ़ में नकली शराब बनाकर खपाया जा रहा है. शराब की आड़ में घोटाले का बड़ा खेल चल रहा है. हाल ही में ईडी की कार्रवाई में साफ हुआ कि छत्तीसगढ़ में 2 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है, जिसमे मुख्यमंत्री भी शामिल हैं।

उत्तरप्रदेश से पहुंचे उप संचालक कृषि ने किया गोधन और मिलेट मिशन योजना की सराहना

कांकेर। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले के किसानों को लघु धान्य फसलों कोदो, कुटकी, रागी की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। उत्तरप्रदेश के जिला जानपुर से पहुंचे उप संचालक कृषि जयप्रकाश सिंह ने कांकेर जिले में संचालित गोधन न्याय योजना और मिलेट मिशन योजना का जायजा लिया।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना एवं मिलेट मिशन योजना की सराहना की। जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के मॉडल गौठान चिल्हाटी के भ्रमण के दौरान गौठान के नोडल अधिकारी टीएस ध्रुव ने उत्तरप्रदेश के उप संचालक जयप्रकाश सिंह को गौठान में संचालित विभिन्न मल्टीएक्टिविटी गतिविधियों की जानकरी दी। इस दौरान उप संचालक सिंह ने कहा कि गोधन न्याय योजना के माध्यम से ग्रामीणों की भागीदारी पशुधन और गौठान में विभिन्न आजीविका मूलक

गतिविधि जैसे जैविक वर्मी खाद उत्पादन, मुर्गी पालन, बतख पालन, सुकर पालन, मछली पालन, सब्जी उत्पादन सहित विभिन्न प्रकार के आजीविका को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह योजना देश में अलग पहचान बना चुका है।

उप संचालक कृषि जयप्रकाश सिंह ने कहा कि इस योजना से हम न सिर्फ खेती किसानी और आजीविका का बेहतर समाधान प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि इसके जरिए रासायनिक खाद और कीटनाशक का खेती में अंधाधुध तरीके से हो रहे उपयोग से भूमि की घटती उर्वरकता शक्ति खाद्यान्न पदार्थों की विषाक्तता पर्यावरण को हो रहे नुकसान और ग्लोबल वार्मिंग जैसे कई समस्या को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

धान के बदले अन्य लाभकारी फसल के रूप में कांकेर जिले के किसानों द्वारा लघु धान्य फसल जैसे कोदो-कुटकी-रागी की खेती भी काबिले तारीफ है। यहां मिलेट मिशन की प्रोसेसिंग यूनिट भी स्थापना की गई है, जिससे कांकेर जिले के किसानों सहित प्रदेश के किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा, यह बात जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम चिल्हाटी में आदर्श गौठान और महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित आय मूलक गतिविधियों के मुआयना के दौरान कही। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि एनके नागेश, सहायक संचालक कृषि जितेंद्र कोमरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी संजय मंडावी, पशु चिकित्सा अधिकारी टीकम ठाकुर, ग्राम सरपंच प्रतिभा सलाम, गौठान समिति अध्यक्ष महेश सलाम, सहित महिला समूह के सदस्य उपस्थित थे।

मोचा तूफान का प्रदेश में दिखेगा असर, तेज हवाएं चलने के साथ बारिश की भी संभावना

रायपुर। मोचा तूफान का असर देश के कई राज्यों में दिखने लगा है. मौसम विभाग ने बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के तटीय इलाकों के अलावा देश के कई मैदानी इलाकों में भी 'मोचा' की वजह से तेज बारिश की आशंका जताई है।

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में समुद्र में ऊंची लहर उठ सकती हैं. आंतरिक तमिलनाडु, दक्षिण और तटीय कर्नाटक, केरल और मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है. इसके अलावा ओडिशा, दक्षिण छत्तीसगढ़, मध्य उत्तर प्रदेश, लक्षद्वीप, तेलंगाना, विदर्भ, मराठवाड़ा और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश संभव है.

वहीं मौसम विभाग के मुताबिक, 9 मई को तूफान के डिप्रेशन में बदलने की संभावना है. 10 मई को 'मोचा' तूफान दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी, बंगाल की पूर्व मध्य खाड़ी और अंडमान सागर के आस-पास के इलाकों में एक चक्रवाती तूफान का रूप ले लेगा. इसके चलते 12 मई तक अधिकांश स्थानों पर मध्यम वर्षा देखने को मिलेगी.तटीय और सीमावर्ती इलाकों में 9 से 11 मई के दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है. इस दौरान 70-80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है. बंगाल और ओडिशा दोनों में इस तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

10वीं में 75.05 और 12वीं में 79.96 परीक्षार्थी उत्तीर्ण

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा घोषित किए गए कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा के परिणाम में सफल विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस परीक्षा में जो विद्यार्थी सफल नहीं हो पाए हैं, वे निराश न हों यह देखें कि कहां कमी रह गई है, लगन और मेहनत से पढ़ाई कर फिर से प्रयास करें, उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि बोर्ड परीक्षा की मेरिट लिस्ट के टॉप टेन में आने वाले विद्यार्थियों को इस वर्ष भी हेलीकॉप्टर राइड कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने स्वामी आत्मानंद स्कूल के विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर भी प्रसन्नता जताई। कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा के मेरिट लिस्ट के टॉप टेन स्थान में स्वामी आत्मानंद स्कूल के 5 विद्यार्थी शामिल हैं, इसी प्रकार 10वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट लिस्ट के टॉप टेन स्थान पर स्वामी आत्मानंद स्कूल के 10 विद्यार्थी शामिल हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा 2023 के परिणाम घोषित करते हुए सफल छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी और जो विद्यार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाए हैं, वे हौसला बनाए रखें और मेहनत के साथ पढ़ाई करें। इस अवसर पर संसदीय सचिव श्री द्वारिकाधीश यादव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल के अध्यक्ष डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव प्रोफेसर व्ही.के.गोयल सहित मण्डल के सदस्यगण, अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा के टॉप टेन में कुल 48 विद्यार्थी और 12वीं बोर्ड परीक्षा के मेरिट लिस्ट के टॉप टेन में 30 विद्यार्थी हैं। 10वीं बोर्ड परीक्षा की मेरिट लिस्ट में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी मीडियम स्कूल जशपुर के राहुल यादव ने 98.83 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल जशपुर के सिकंदर यादव ने 98.67 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। 10वीं की मेरिट लिस्ट में टाईबल क्षेत्र के 19 विद्यार्थियों में जशपुर के 12, कांकेर के 4, सरगुजा के 2, सूरजपुर के एक विद्यार्थी शामिल है। मेरिट लिस्ट में 28 छात्राएं, 20 छात्र शामिल हैं, इनमें शासकीय स्कूल के 23 और निजी स्कूल के 25 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान बनाया है।

12वीं की बोर्ड परीक्षा की मेरिट लिस्ट में अभिनव व्ही.एम. हायर सेकेण्डरी स्कूल पुसौर रायगढ़ की विधि भोसले ने 98.20 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, अनुराग कॉन्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल सक्ती जांजगीर-चांपा के विवेक अग्रवाल ने 97.40 अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। 12 की मेरिट लिस्ट में 18 छात्राओं और 12 छात्रों ने स्थान प्राप्त किया है। टाईबल क्षेत्र के

2 विद्यार्थियों में एक कांकेर और एक जशपुर का विद्यार्थी शामिल हैं। मेरिट में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों में 11 शासकीय तथा 19 निजी विद्यालयों के छात्र शामिल हैं।

शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित 10वीं-12वीं बोर्ड की मुख्य परीक्षा के परिणाम गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष बेहतर आए हैं। 10वीं बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष 75.05 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जो कि गत वर्ष की तुलना में 0.82 प्रतिशत ज्यादा है। इसी तरह 12वीं बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष 79.96 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जो कि गत वर्ष की तुलना में 0.66 प्रतिशत ज्यादा हैं। हाई स्कूल में 70.26 प्रतिशत बालक एवं 79.16 प्रतिशत बालिका उत्तीर्ण हुई हैं, जबकि हायर सेकेण्डरी में 75.36 प्रतिशत बालक एवं 83.64 प्रतिशत बालिका उत्तीर्ण हुई हैं।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2023 में कुल 3,37,559 परीक्षार्थी पंजीकृत हुये। इनमें से 3,30,681 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये, जिनमें से 1,52,891 बालक तथा 1,77,790 बालिकायें सम्मिलित हुई, जिनमें से 3,30,055 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की कुल संख्या 2,47,721 है अर्थात् कुल 75.05 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रतिशत 79.16 तथा बालकों का प्रतिशत 70.26 है। सम्मिलित परीक्षार्थियों में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 1,09,903 (33.30 प्रतिशत) है, द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 1.19,901 (36.32 प्रतिशत) है तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 17,914 (5.43 प्रतिशत) है। 03 परीक्षार्थी पास श्रेणी में उत्तीर्ण हुये हैं। 17,923 परीक्षार्थियों को पूरक की पात्रता है। कुल 626 परीक्षार्थियों के परिणाम विभिन्न कारणों से रोके गये हैं, जिनमें 16 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण रोके गये हैं तथा 281 परीक्षार्थी का पात्रता के अभाव में परीक्षा आवेदन निरस्त किये गये हैं तथा 324 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोका गया है। इसके अतिरिक्त 05 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम बाद में घोषित किये जायेंगे। वर्ष 2022 हाईस्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा में कुल 3,63,301 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये थे, जिनमें से 1,71,539 बालक तथा 191,762 बालिकायें सम्मिलित हुई थीं सम्मिलित परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण का प्रतिशत 74.23 था इस प्रकार गतवर्ष से इस वर्ष परीक्षा परिणाम में लगभग 0.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2023 में कुल 3,28,121 परीक्षार्थी पंजीकृत हुये। इनमें से 3,23,625 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये, जिनमें से 1,43,919 बालक तथा 179,706 बालिकायें सम्मिलित हुई, जिनमें से 3,23,266 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की कुल संख्या 2,58,500 है अर्थात् कुल 79.96 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रतिशत 83.84 तथा बालकों का प्रतिशत 75.36 है।

सुधर्म धार्मिक शिक्षण शिविर संपन्न

रायपुर। सुधर्म परिवार व्दारा संचालित स्व. श्री जसराजजी एवं मातुश्री स्व. श्रीमति प्रेमबाई गोलछा की स्मृति में अजय वैभव कुमार गोलछा (अजय पिलसिटी) व परिवार व्दारा आयोजित 10 दिवसीय जैन धार्मिक शिक्षण व संस्कार शिविर का समापन समारोह धमतरी श्रीसंघ के अध्यक्ष श्री दीपक जी चोपड़ा के मुख्य आतिथ्य एवं भाटापारा के सुप्रसिध्द समाजसेवी शांतिलाल जी ललवानी के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ।

जिसमें लगभग 350 शिविरार्थी ने अध्यन किया एवं 18 लोगों ने अध्यापन कर शिविर को सफल बनाया। अजय गोलछा (अजय पिलसिटी) ने शिविर को सफल बनाने पर सभी शिक्षकों, शिविरार्थियों एवं श्रीसंघ के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार करते हुए धन्यवाद किया है।

मेरी 2015 में खरीदी दुकान को ईडी ने जप्त किया- विनोद तिवारी

रायपुर। कांग्रेस नेता विनोद तिवारी ने कहा कि 9 मई को ईडी ने मेरी मोवा स्थित दुकान को अटैच किया है जिसे मैंने 2015 में क्रय किया था 2017 में मैंने इस दुकान को बैंक में बंधक रख 30 लाख का लोन लिया था जो आज दिनांक तब बैंक में बंधक है बिजली बिल न पट पाने की वजह से इस दुकान की बिजली भी जनवरी से काट दी गई है। ईडी की कार्यवाही दुर्भावना पूर्ण है। कांग्रेस नेता विनोद तिवारी ने कहा कि पूर्व सीएम रमन सिंह की आय से अधिक संपत्ति के मामले में मैंने उच्च न्यायालय में याचिका दर्ज की थी माननीय उच्च न्यायालय ने पूर्व सीएम रमन सिंह सहित ईडी और सीबीआई को भी नोटिस जारी कर जवाब मंगा था पूर्व सीएम रमन सिंह के खिलाफ की गई शिकायत आज मेरे लिये गुनाह बन गई है और अगर ये गुनाह है तो मैं ये गुनाह आगे भी 100 बार करूँगा बार बार करूँगा अगर भाजपा के लोग सोचते हैं की ऐसे हथकंडे अपना हमारे हौसले कमजोर कर लेंगे तो ये इनकी बहुत बड़ी भूल है भाजपा सरकार से 15 साल हम लोग पहले भी लड़े थे आगे भी लड़ेंगे?कांग्रेस नेता विनोद तिवारी ने कहा कि भूपेश बघेल जी की लोकप्रियता और योजनाओं की सफलता से घबराई भाजपा के पास कोई विकल्प नही है आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की बुरी तरह से हार तय है इसलिए भाजपा ईडी को मोहरा बना उपयोग कर रही है।

महिलाओं ने गोबर से इमल्शन और डिस्टेंपर पेंट बनाकर 3 महीने में कमाए 17 लाख 43 हजार रुपए

रायपुर। गोधन न्याय योजना ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं की आर्थिक आजादी के नए सोपान गढ़े हैं। योजना के तहत गौठानों में 200 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गोबर खरीदी की जा रही है। गोबर का उपयोग जैविक खाद के अलावा गोबर से पेंट बनाने में किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

प्राकृतिक पेंट निर्माण को बढ़ावा देने के लिए गाय के गोबर से पेंट निर्माण करने की इकाई राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित की जा चुकी है। इसी तरह की गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण की इकाई कोण्डागांव जिले के मर्दापाल रोड स्थित शहरी गौठान में 26 जनवरी 2023 को शुरू की गई है। यहां 3 महीने में ही 7 हजार 368 लीटर से अधिक पेंट का निर्माण किया जा चुका है। इकाई में स्व-सहायता समूह की 10 महिलाओं द्वारा गोबर से प्राकृतिक पेंट का निर्माण किया जा रहा है। अब तक 17 लाख 43 हजार रुपये के 7 हजार 351 लीटर गोबर पेंट का विक्रय किया जा चुका है।

कोण्डागांव जिले में गोबर से बने पेंट का उपयोग सरकारी भवनों, स्कूलों एवं छात्रावासों की पुताई के लिए किया जा रहा है। कलेक्टोरेट बिल्डिंग सहित अन्य भवनों की गोबर पेंट से पुताई की गयी है, जिससे ये भवन अधिक सुन्दर और आकर्षक दिखने लगे हैं। प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल से पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिल रहा है जिससे उनकी आय में वृद्धि भी हो रही है।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती मीना विश्वास बताती हैं कि वे गोबर से डिस्टेंपर एवं इमल्शन पेंट का निर्माण बना रही हैं। इकाई को लोक निर्माण एवं जिला निर्माण समिति द्वारा गोबर पेंट क्रय हेतु अग्रिम आर्डर दिया गया है। गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध गोबर का सदुपयोग होने के साथ ही युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

प्रदेश में स्कीम नहीं पूरी तरह से स्कैम चल रहा है -कौशिक

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में कांग्रेस ने वादाखिलाफी के कीर्तिमान रच दिए है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मात्र गांधी परिवार को खुश करने के लिए राज्य की जनता की भावनाओं के साथ आघात पंहुचाने की कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सैलजा के बयान पर पलटवार कर कहा कि प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा छत्तीसगढ़ में स्किम की बात कर रही है परंतु छत्तीसगढ़ में पिछले साढ़े चार सालों में प्रदेश सरकार जनता के साथ केवल स्कैम करते आई है। उन्होंने कहा कि कुमारी शैलजा अपने बैठक में जनता के हितों की बात करने के बजाय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गलतियों पर पर्दा डालने काम, गलतियों को छुपाने का काम कर रही है और प्रदेश की कांग्रेस सरकार जनभावनाओं के साथ खेल रही है। आज प्रदेश की कांग्रेस सरकार पूरी तरह से ए बी सी के मॉडल पर चल रही है ए फॉर अत्याचार, बी फॉर भ्रष्टाचार एवं सी फॉर कमिशन। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर तरफ भ्रष्टाचार का आलम है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार लगातार भ्रष्टाचार के नए नए रिकॉर्ड अपने नाम कर रही हैं। आज छत्तीसगढ़ की पहचान अब ईडी और आईटी के छापों के नाम से हो रहा है।

केरल फिल्म का विरोध कांग्रेस की जिहादी मानसिकता - भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने 'द केरला स्टोरी' फिल्म को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के बयान को कांग्रेस की जिहादी मानसिकता का परिचायक बताया है। श्री कश्यप ने पूछा कि देश के हिन्दू को अपने प्रति हो रहे अन्याय का सच बताने के अधिकार से भी कांग्रेस को पेट में दर्द क्यों होने लगता है? विदित रहे, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल समेत प्रमुख भाजपा नेताओं व कार्यकताओं ने मंगलवार को द केरला स्टोरी फिल्म देखने के बाद इस फिल्म को सामाजिक सरोकारों से जुड़ी बताया था, जिस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मरकाम ने इसे लेकर भाजपा पर आरोप लगाया और फिल्म को नफरत फैलाने वाली बताया। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री कश्यप ने कहा कि पहले कवर्धा और फिर बिरनपुर में हुए बवाल के बाद अब इस फिल्म को लेकर कांग्रेस का जिहादी चेहरा एक बार फिर सामने आया है और कांग्रेस जिहादियों के पक्ष में खुलकर सामने आई है। नारायणपुर और भेजरीपदर में भी धर्मांतरण के घातक एजेंडे को पोषित करने में कांग्रेस की सरकार ने तमाम कायदे-कानूनों को ताक पर रखा हो, जबकि धर्मांतरण का विरोध कर रहे निर्दोष आदिवासियों को ही जेल में ठूँस दिया।

मुख्यमंत्री ने जनता के पैसों की लूट मचाकर जो अपराध किया है-देवलाल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कु. शैलजा से सवाल किया है कि वे कोयला घोटाला, राशन घोटाला के बाद अब दो हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाले के महेनजर %घोटाला शिरोमणि% मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से इस्तीफ़ा लेंगीं या फिर 10, जनपथ का हिसाब-किताब क्लीयर करके मीटिंग के ड्रामे का पर्दा गिराकर लौट जाएंगीं? श्री ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री बघेल भ्रष्टाचार के पर्याय बन चुके हैं और भ्रष्टाचार व घोटालों के जरिए छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का एटीएम बनाकर रख दिया गया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने घोटालों और भ्रष्टाचार के जरिए हज़ारों करोड़ रुपए की लूट मचाई है, जो कहीं-न-कहीं जनता के हितों के लिए खर्च होने थे। लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने सत्तावादी राजनीतिक संरक्षण में इस लूट के खेल को चलने दिया। इन पैसों से प्रदेश के विकास और जनता की भलाई के काम किए जाने थे। श्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल ने जनता के पैसों की लूट मचाकर जो अपराध किया है, छत्तीसगढ़ की जनता इसका क़रारा ज़वाब ज़रूर देगी ।

कर्नाटका से शुरू होगी भाजपा की विदाई- मोहन मरकाम

रायपुर। कर्नाटक में मतदान के बाद एग्जिट पोल में कांग्रेस की बढ़त पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कर्नाटका से शुरू होगी भाजपा की विदाई, कर्नाटक में कांग्रेस की जीत से देश की राजनीति में परिवर्तन आएगी देश अब बदलाव के मूड में है कर्नाटक मतदान के बाद जो एग्जिट पोल की रिपोर्ट आए हैं वह कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के साफ संकेत दे रहे हैं और कर्नाटक की जनता की मन की बात एग्जिट पोल के माध्यम से देश के सामने आया है कर्नाटक की जनता ने 40 प्रतिशत कमीशन लेने वाली भाजपा की सरकार को बदल दिया है और संकेत स्पष्ट है कि 2024 के चुनाव में केंद्र से भी मोदी भाजपा की विदाई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि देश की जनता अब मोदी और शाह के जुमलो और झूठ परपंच से बोर हो चुकी है जनता बढ़ती महंगाई बेरोजगारी गिरती अर्थव्यवस्था से निजात पाना चाहती है देश की जनता मोदी सरकार के निजीकरण की नीतियों से खफा है वह देश की संपत्तियों को बचाना चाहती है सड़कों पर बड़े टोल टैक्स दवाइयों के दाम में हुई वृद्धि दूध दही पर ली जा रही जीएसटी के खिलाफ जनता आक्रोशित है रसोई गैस के आसमान छूती कीमत और पेट्रोल डीजल में हो रही मनमानी लूट से देश की जनता मुक्ति जाती है और कर्नाटक का परिणाम देश में बदलाव के संकेत देकर आएगी देश चलाना सिर्फ कांग्रेस को आता है कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों के साथ न्याय करती है सभी वर्गों की चिंता करती है।

अत्याचारों से कांग्रेस और उसकी सरकार के कुशासन का घड़ा भरता जा रहा है - अमित साहू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू ने कांग्रेस विधायक छन्नी साहू द्वारा जुर्माना अदा करने के लिए मंगलसूत्र तक छोड़े जाने के घटनाक्रम को प्रदेश की कांग्रेस सरकार के लिए बेहद अपमानजनक और शर्मनाक बताया है। श्री साहू ने कहा कि यह घटना कांग्रेस के कुशासन की पराकाष्ठा है। प्रशासनिक अत्याचार इस चरम पर पहुंच चुका है कि कांग्रेस की महिला विधायक को जुर्माने के तौर अपना मंगलसूत्र उतार देने की नौबत आ गई। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री साहू ने कहा कि आरटीओ द्वारा एक वाहन को ओवरलोड बताकर 52 हजार रुपए के जुर्माने का चालान काटे जाने के बाद कांग्रेस की महिला विधायक द्वारा उठाया गया यह कदम प्रदेश सरकार और उसके प्रशासन तंत्र की कार्यप्रणाली की कलंक कथा को बयान करने के लिए पर्याप्त है। प्रदेश सरकार के बड़बोले मंत्रियों की फौज इस घटना को भी साधारण या मामूली बताने में शर्म महसूस न करे, लेकिन वे याद रखें कि इन सारे अत्याचारों से कांग्रेस और उसकी सरकार के कुशासन का घड़ा भरता जा रहा है। श्री साहू ने कहा कि विधायक छन्नी साहू के अपमान की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले उन्हें स्कूटी से विधानसभा आना पड़ा था। सत्ता पक्ष की विधायक होने के बावजूद उन्हें सदन में घुसने नहीं दिया गया था।

छत्तीसगढ़ में अब तक एक चौथाई के करीब तेंदूपत्ता का हो चुका संग्रहण

■ **छत्तीसगढ़ में अब तक एक चौथाई 16.72 लाख मानक बोरा के लक्ष्य के विरूद्ध 3.19 लाख मानक बोरा संग्रहित**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चालू वर्ष 2023 के दौरान अब तक 3 लाख 19 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है, जो लक्ष्य के एक चौथाई के करीब है। राज्य में चालू वर्ष के दौरान 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता के संग्रहण का लक्ष्य है।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में वनवासियों द्वारा तेंदूपत्ता का संग्रहण कार्य निरंतर जारी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि प्रदेश में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के सुचारू संचालन के लिए वन विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज पिंगुआ के निर्देशानुसार सभी वनमण्डलों में पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। राज्य में अब तक वन मण्डल दंतेवाड़ा और जगदलपुर में लक्ष्य के 80 प्रतिशत से अधिक तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है। इस संबंध में प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री अनिल राय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक संग्रहित मात्रा में से वनमण्डल बीजापुर में 5 हजार 08 मानक बोरा तथा सुकमा में 45 हजार 797 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण शामिल है। इसी तरह वनमण्डल दंतेवाड़ा में 15 हजार 394 मानक बोरा, जगदलपुर में 15 हजार 204 मानक बोरा, दक्षिण कोण्डागांव में 13 हजार 404 मानक बोरा तथा केशकाल में 17 हजार 179 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल नारायणपुर में 7 हजार 230 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 367 मानक बोरा तथा कांकेर में 6 हजार 049 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह वनमण्डल राजनांदगांव में 2 हजार 646 मानक बोरा, खैरागढ़ में 1 हजार 387 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल धमतरी में 5 हजार 453 मानक बोरा, गरियाबंद में 45 हजार 923 मानक बोरा, महासमुंद 35 हजार 833 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार 7 हजार 136 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में भाठागांव-रिंग रोड शराब दुकान बंद करने कलेक्टर-आबकारी विभाग को सौंपा ज्ञापन

■ **एक माह में शराब दुकान को बंद करने की मांग जुड़ रहे परंपरागत**

रायपुर। अंतर्राज्यीय बस स्टैंड के पास भाठागांव रिंग रोड में स्थित शराब दुकान के कारण आसपास क्षेत्र की बस्तियों और कॉलोनियों में रहने वाले नागरिक परेशान हैं । उनकी परेशानी को दूर करने शराब दुकान बंद करने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में आज कलेक्टर डॉक्टर सर्वेश्वर भूरे और जिला आबकारी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया ।

कलेक्टर ने कहा कि उक्त क्षेत्र में होने वाली परेशानी को दूर करने आवश्यक कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को निर्देशित करेंगे, जिला आबकारी अधिकारी ने कहा शराब दुकान स्थानांतरण के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा । उल्लेखनीय है कि रिंग रोड में स्थित शराब दुकान के कारण सोनकर पारा, ब्रह्म आनंद नगर, ब्रह्मदेव कॉलोनी , वालाफेर्ट सिटी ,दंतेश्वरी मंदिर, छर्रीपारा, उत्तम नगर, आस्क सिटी सहित आसपास की महिलाएं नशेड़ियों के कारण उस मार्ग से गुजरने में से डरती हैं । पूरी सड़क में नशा करने वालों की वजह से वातावरण खराब रहता है ।कॉलोनी और बस्तियों के नागरिक शराब दुकान से होने वाले परेशानी को लेकर उद्वेलित हैं ।

शराब दुकान बंद करने की मांग को लेकर ज्ञापन देने गए प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से राजेश यदु, मनोज पाल, मोहम्मद सिद्धिक, प्रवीण चंद्राकर, देवेंद्र पवार, नरेंद्र शुक्ला , मोहम्मद सिद्दीक, मुनेश गौतम श्रेयांश शुक्ला, सिद्धार्थ शर्मा, मुकुंद कागदेलवार शामिल थे ।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.